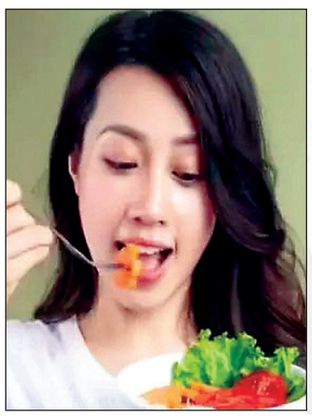

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

खाने के बाद भूलकर भी न करें... पेज: 7

आप पर्दे पर मुख्यमंत्री बन सकते है।..... पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 20 | मंगलवार 21 अप्रैल 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

जशपुर में नहीं हुआ कोई प्लेन क्रैश, जंगल की आग से फैली अफवाह

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के जशपुर में कथित प्लेन क्रैश की खबर पूरी तरह अफवाह साबित हुई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार का विमान हादसा नहीं हुआ। जंगल में लगी आग से उठते धुएं के कारण ग्रामीणों को भ्रम हुआ होगा और गलत सूचना दे दी गई। जिले के कलेक्टर रोहित व्यास और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लाल उमेद सिंह ने मौके पर पहुंचकर जांच की। अधिकारियों को घटनास्थल पर विमान का कोई मलबा नहीं मिला, जिसके बाद इस खबर को पूरी तरह खारिज कर दिया गया। प्रशासन के अनुसार, इलाके में जंगल में लगी आग से उठते धुएं को देखकर ग्रामीणों ने इसे विमान दुर्घटना समझ लिया। देखते ही देखते यह सूचना सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई और अफवाह का रूप ले लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों ने झारखंड और ओडिशा के एयर ट्रैफिक कंट्रोल से भी संपर्क किया। दोनों ही जगहों से पुष्टि हुई कि उस समय किसी भी विमान का संपर्क नहीं टूटा था और न ही कोई विमान उस क्षेत्र में लापता हुआ। बताया गया कि जशपुर के चारभाठी क्षेत्र में एक चार्टर्ड प्लेन उड़ता देखा गया था। इसके कुछ समय बाद पहाड़ी से धुआं उठता नजर आया, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हुई। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बिना पुष्टि के ऐसी खबरों पर विश्वास न करें और अफवाह फैलाने से बचें। अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की भ्रामक सूचनाएं न केवल प्रशासनिक संसाधनों पर दबाव डालती हैं, बल्कि अनावश्यक दहशत भी पैदा करती हैं।

बीजेपी विधायक के बेटे की करतूत के बाद उनके बयान पर बढ़ा विवाद

-थार से टक्कर मारकर पांच लोगों को किया था घायल

शिवपुरी (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के करैरा क्षेत्र में 16 अप्रैल को हुए सड़क हादसे को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक तनाव बढ़ गया है। इस मामले में आरोप है कि एक थार वाहन से टक्कर में पांच लोग घायल हुए, जिसके बाद स्थानीय राजनीति में हलचल तेज हो गई। घटना के बाद बीजेपी विधायक प्रीतम लोधी का बयान और उनका रुख लगातार चर्चा में है। शुरुआती प्रतिक्रिया में उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था कि एक जनप्रतिनिधि के लिए जनता सर्वोपरि होती है और पीड़ितों को न्याय दिलाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। हालांकि, कुछ दिनों बाद उनके बयानों और पुलिस अधिकारियों के प्रति उनकी भाषा को लेकर विवाद और बढ़ गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, विधायक ने करैरा के एसडीओपी आयुष जाखर के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कथित तौर पर कहा कि अधिकारी उन्हें क्षेत्र में आने से रोकने की बात कर रहा है, जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई और तीखे शब्दों में प्रतिक्रिया दी। इस बयान को लेकर राजनीतिक हलकों और प्रशासनिक स्तर पर चर्चा तेज हो गई है। इस बीच उनके बेटे से जुड़े विवाद का भी उल्लेख सामने आया है, जिसमें आरोप है कि वह बिना नंबर प्लेट और कथित रूप से संशोधित थार वाहन के साथ थाने पहुंचे थे। इस घटना ने पूरे मामले को और संवेदनशील बना दिया है। विधायक ने जांच प्रक्रिया और पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ गलत तरीके से कार्रवाई या दबाव बनाया जा रहा है, जबकि पुलिस प्रशासन की ओर से इस पूरे मामले की जांच जारी है। इस घटनाक्रम ने स्थानीय स्तर पर सत्ता और प्रशासन के बीच टकराव की स्थिति पैदा कर दी है। विपक्षी दल इसे लेकर सरकार और जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि प्रशासन मामले की निष्पक्ष जांच की बात कर रहा है।

पहलगाम हमले की पहली बरसी को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

श्रीनगर(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले पूरी कश्मीर घाटी के पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। सेना के अधिकारियों के अनुसार 22 अप्रैल को होने वाली बरसी के मद्देनजर सभी सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि 22 अप्रैल 2025 को बैसरन मैदान में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की गोली मारकर हत्या की गई थी, जिसमें अधिकतर पर्यटक शामिल थे। यह हमला लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों द्वारा किया गया था। सेना के अधिकारियों ने बताया कि पिछले साल 22 अप्रैल को लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों ने पहलगाम में 26 लोगों को मार गिराया था। इस आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले कश्मीर भर के टूरिस्ट जगहों पर सुरक्षा बढ़ाई गई है। उन्होंने कहा कि सभी सुरक्षा एजेंसियों को पहलगाम आतंकी हमले की बरसी से एक दिन पहले, खासकर टूरिस्ट जगहों के आसपास किसी भी संभावित विध्वंसक गतिविधि के लिए अलर्ट रहने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि एक फुलप्रूफ सुरक्षा प्लान बनाने के लिए ग्राउंड लेवल पर तैयारी मीटिंग की गईं, जबकि सीनियर अधिकारियों ने हाल ही में इन इंतजामों का रिव्यू किया। अब, करीब एक साल बाद, पहलगाम के मशहूर मैदान फिर टूरिस्ट की चहल-पहल से गुलजार हैं, और किसी को भी अनंतनाग जिले में मिनी स्विट्जरलैंड जाने का पछतावा नहीं है, जो पिछले साल के आतंकी हमले के साए से उबर रहा है। टूरिस्ट की सुरक्षा पक्का करने के लिए पहलगाम रिसॉर्ट में कई नए उपाय शुरू किए गए हैं। इसमें सर्विस प्रोवाइडर और वेंडर, जिसमें पोनीवाला भी शामिल है, का विज़िटर से बात करने से पहले पहले का वेरिफिकेशन किया जा रहा है। पहलगाम में टूरिस्ट की सुरक्षा के लिए सभी टूरिज्म सर्विस प्रोवाइडर के लिए एक खास क्यूआर कोड-बेस्ड आइडेंटिफिकेशन सिस्टम शुरू किया गया है।

केरल में निजी संपत्ति विवाद बन गया राजनैतिक अखाड़ा... भाजपा और माकपा कार्यकर्ता आपस में भिड़े

नेट्टायम(एजेंसी)। केरल के नेट्टायम में दो रिश्तेदारों के बीच शुरू हुआ निजी संपत्ति विवाद देखते ही देखते राजनीतिक जंग में बदल गया। घटना में भाजपा और माकपा (सीपीआईएम) के कार्यकर्ताओं के बीच जमकर हिंसा हुई, जिसमें बीच-बचाव करने पहुंचे तीन पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मामले में कड़ा रुख दिखाकर दोनों पार्टियों के कुल 94 कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस जांच के अनुसार, इस पूरे बवाल की शुरुआत नेट्टायम के मलमुकल इलाका निवासी दो रिश्तेदारों के बीच जमीन को लेकर हुए विवाद से हुई। इनमें से एक पक्ष भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) से जुड़ा है। दूसरा पक्ष मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) का समर्थक है।

ओसीआई में ढील और मछुआरों की रिहाई से भारत-श्रीलंका रिश्तों में आई मजबूती

-उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन के दौरे के दौरान हुईं अहम घोषणाएं, प्रवासी भारतीयों को राहत और द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों को नई दिशा देने के उद्देश्य से उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के हालिया दौरे के दौरान कई महत्वपूर्ण कूटनीतिक कदम उठाए गए हैं। इस दौरे को दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने जानकारी दी कि भारत सरकार ने ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) कार्ड से जुड़े नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव करने का निर्णय लिया है। इसके तहत अब श्रीलंका में बसे प्रवासी भारतीयों की पांचवीं और छठी पीढ़ी को भी ओसीआई कार्ड के लिए पात्र माना जाएगा। पहले यह सुविधा केवल चौथी पीढ़ी तक सीमित थी। इस बदलाव से हजारों लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद है और भारतीय मूल के लोगों का अपने देश से जुड़ाव और मजबूत होगा।

इसके साथ ही ओसीआई कार्ड के लिए आवश्यक दस्तावेजों को लेकर भी प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। अब श्रीलंका सरकार द्वारा जारी प्रमाण पत्र, पुराने भारत-श्रीलंका पासपोर्ट और कोलंबो तथा कैंडी स्थित भारतीय मिशनों के रिकॉर्ड को भी मान्य दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाएगा। इससे आवेदन प्रक्रिया अधिक सुगम और पारदर्शी होने की संभावना है। दौरे के दौरान भारत ने श्रीलंका सरकार का आभार भी व्यक्त किया। उपराष्ट्रपति ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके को हाल ही में भारतीय मछुआरों की रिहाई के लिए धन्यवाद दिया। जानकारी के अनुसार, बीते कुछ हफ्तों में 47 भारतीय मछुआरों को रिहा किया गया है, जिन्हें जल्द ही भारत वापस लाया जाएगा।

मछुआरों के मुद्दे पर दोनों देशों के बीच लंबे समय से संवेदनशीलता बनी रही है। ऐसे में हालिया रिहाई को सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने भी माना कि इस समस्या का स्थायी समाधान दोनों देशों के संयुक्त प्रयासों से ही संभव है। विशेषज्ञों का मानना है कि ओसीआई नियमों में ढील और मानवीय मुद्दों पर सहयोग, दोनों ही कदम भारत-श्रीलंका संबंधों में नई ऊर्जा भरने वाले हैं। यह दौरा न केवल प्रवासी भारतीयों के लिए राहत लेकर आया है, बल्कि क्षेत्रीय कूटनीति में भारत की सक्रिय भूमिका को भी दर्शाता है।

मणिपुर में बम हमले में बच्चों की मौत के खिलाफ 5 दिनों का बंद, हिंसक प्रदर्शनों से घाटी में तनाव

मणिपुर (एजेंसी)। मणिपुर में हालिया हिंसा ने शांति प्रयासों को फिर से बड़ा झटका दे दिया है। बिष्णुपुर जिला में 7 अप्रैल को हुए दर्दनाक बम विस्फोट में दो मासूम बच्चों—एक पाँच साल के लड़के और पाँच महीने की बच्ची—की मौत के बाद व्यापक आक्रोश फैल गया। इस घटना के विरोध में 19 अप्रैल से पाँच दिनों के पूर्ण बंद (टोटल शटडाउन) का आह्वान किया गया है, जिसने राज्य के घाटी क्षेत्रों में जनजीवन को करीब ठप कर दिया है। इस बंद का नेतृत्व 'मीरा पाइबी' (मशाल लेकर चल रही महिलाएँ) और विभिन्न नागरिक समाज संगठनों द्वारा किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग है कि हमले के दोषियों को तुरंत गिरफ्तार करे और पीड़ित परिवारों को शीघ्र न्याय मिले। इसके साथ ही, उन्होंने पहाड़ी क्षेत्रों में सक्रिय कथित कुकी उग्रवादियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की भी मांग जोड़ी है। बंद के पहले दिन बाजार, स्कूल, सरकारी दफ्तर और परिवहन सेवाएँ बंद रहीं, जबकि केवल आवश्यक सेवाएँ ही सीमित रूप से चालू रहीं। इंफाल पूर्व जिला और इंफाल पश्चिम जिला सहित कई इलाकों में हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। रात के समय रैलियाँ आयोजित की गईं, जिनमें भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया। हालांकि, कुछ स्थानों पर हालात तनावपूर्ण हो गए। काकचिंग जिला में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पें हुईं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आँसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। पुलिस ने यह भी चेतावनी दी है कि असामाजिक तत्व शांतिपूर्ण प्रदर्शनों में घुसपैठ कर उन्हें हिंसक बनाने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार, कुछ उपद्रवी पेट्रोल बम, गुलेल और पत्थरों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जबकि कुछ लोग नशे की हालत में हिंसा को भड़का रहे हैं। सुरक्षा बलों ने दावा किया है कि वे अधिकतम संयम बरतते हुए स्थिति को संभाल रहे हैं और नागरिकों से शांति बनाए रखने की अपील की है। स्थिति की गंभीरता को देखकर संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है ताकि तनाव और न बढ़े। बंद 23 अप्रैल तक जारी रहने की घोषणा की गई है, और आयोजकों ने चेतावनी दी है कि मांगें पूरी न होने पर आंदोलन और तेज किया जाएगा।

हरियाणा से अखिलेश यादव ने दिया बड़ा सियासी संदेश, 2027 में सरकार बनाने का दावा

-कहा- बीजेपी की राजनीति और रणनीति फूट डालो और राज करो वाली

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इस बीच अखिलेश यादव ने हरियाणा के रेवाड़ी से बड़ा राजनीतिक संदेश देते हुए दावा किया कि उनकी पार्टी आगामी चुनावों के बाद सत्ता में वापसी करेगी।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रेवाड़ी पहुंचे थे। इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि विपक्षी इंडिया गठबंधन पूरी तरह एकजुट रहेगा और कांग्रेस उनके साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने सीट बंटवारे के सवाल पर कहा कि उनके लिए सीटों की संख्या महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि जीतने की क्षमता अहम है। उन्होंने स्पष्ट कहा, 'जो उम्मीदवार जीत सकता है, उसे ही टिकट दिया जाएगा,'। सपा नेता अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी की राजनीति 'फूट डालो और राज करो' की रणनीति पर आधारित है। उनका कहना था कि पहले समाज में अविश्वास पैदा किया जाता है, फिर लोगों को अलग-अलग समूहों में बांटकर राजनीतिक लाभ उठाया जाता है। गौरतलब है कि इससे पहले लखनऊ में पार्टी मुख्यालय में भी उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा था कि महिला आरक्षण के नाम पर सत्ताधारी पार्टी राजनीति कर रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीजेपी महिला मतदाताओं के बीच भी विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रही है। हालांकि, उनका मानना है कि महिलाएं अब पहले से अधिक जागरूक हैं और महंगाई, सामाजिक दबाव और शोषण जैसे मुद्दों पर अपनी राय स्पष्ट रूप से व्यक्त करेंगी। अखिलेश यादव के इन बयानों को आगामी चुनावों की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है।

महिला आरक्षण विधेयक पर सियासत तेज, कांग्रेस ने कहा- सरकार डैमेज कंट्रोल में लगी

-परिसीमन को लेकर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला आरक्षण से जुड़े संशोधन विधेयक के लोकसभा में पारित न हो पाने के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इस बीच कांग्रेस ने सरकार द्वारा जारी किए गए 'अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न' (फेक) पर तीखा हमला बोला है और इसे 'डैमेज कंट्रोल' की कोशिश करार दिया है।

कांग्रेस का कहना है कि सरकार ने यह फेक विधेयक पेश करने से पहले जारी नहीं किया, बल्कि संसद में असफलता मिलने के बाद इसे सामने लाया गया, जिससे उसकी मंशा पर सवाल उठते हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने बयान जारी करते हुए कहा कि 17 अप्रैल की रात लोकसभा में मिली ÷शर्मनाक हार÷ के बाद सरकार अब अपनी छवि बचाने में जुटी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा जारी फेक 'तथ्यात्मक रूप से गलत' और 'भ्रामक' जानकारी से भरा हुआ है। जयराम रमेश ने विशेष रूप से परिसीमन के मुद्दे पर सरकार को घेरा। उनका कहना था कि फेक में उन महत्वपूर्ण सवालों का कोई जवाब नहीं दिया गया है, जो संसद में विपक्ष ने उठाए थे।

गौरतलब है कि सरकार ने संविधान (131वां संशोधन) विधेयक के माध्यम से 2029 से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का प्रस्ताव रखा था। साथ ही लोकसभा की सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 करने का प्रावधान भी इसमें शामिल था। हालांकि, यह विधेयक लोकसभा में पारित नहीं हो सका।

कांग्रेस का यह भी आरोप है कि फेक में यह दावा किया गया है कि आरक्षण लागू करने के लिए निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन जरूरी है, जो पूरी तरह ÷फर्जी÷ और ÷भ्रामक÷ है। विपक्ष लंबे समय से आरोप लगाता रहा है कि सरकार महिला आरक्षण के बहाने परिसीमन लागू करने की कोशिश कर रही है, जिससे राजनीतिक संतुलन प्रभावित हो सकता है। इस मुद्दे पर अब राजनीतिक बहस और तेज होने की संभावना है।

महिला आरक्षण बिल पर योगी सरकार ने बुलाया 30 अप्रैल को विधानमंडल का विशेष सत्र

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए महिला आरक्षण के मुद्दे पर अपनी राजनीतिक रणनीति तेज कर दी है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार ने 30 अप्रैल को विधानमंडल का विशेष सत्र बुलाने के प्रस्ताव को रविवार रात कैबिनेट बाई सर्कुलेशन के जरिए मंजूरी दे दी। संसद में नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक के पारित न हो पाने के बाद इस मुद्दे पर सियासत गरमा गई है। विपक्ष जहां विधेयक की खामियों को गिनाकर अपने विरोध को सही ठहरा रहा है, वहीं भारतीय जनता पार्टी इस मुद्दे को लेकर विपक्ष पर हमलावर है और इसे चुनावी रणनीति का अहम हिस्सा बना रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही इस मामले में विपक्ष पर तीखा हमला बोल चुके हैं। मिली जानकारी के अनुसार, 30 अप्रैल को होने वाले इस विशेष सत्र में सरकार महिला आरक्षण पर अपनी स्थिति स्पष्ट करेगी और विपक्ष के रुख को लेकर उसे घेरने की रणनीति अपनाएगी। सत्र के दौरान विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने की भी चर्चा है।

विभाजन के लिए मुसलमान नहीं...गांधी, नेहरु और पूरी कांग्रेस पार्टी जिम्मेदार

-ओवैसी ने विभाजन के लिए कांग्रेस को बताया जिम्मेवार

अहमदाबाद (एजेंसी)। एआईएमआईएम पार्टी के प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने गुजरात के अहमदाबाद में रैली के दौरान देश के विभाजन (1947) को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि भारत के विभाजन के लिए केवल मुसलमानों को जिम्मेदार ठहराना गलत होगा, बल्कि कांग्रेस भी इसके लिए जिम्मेदार थी। सांसद ओवैसी ने अपने बयान के समर्थन में पूर्व राष्ट्रपति मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की प्रसिद्ध पुस्तक इंडिया विन्स फ्रीडम का हवाला दिया। उनके अनुसार, मौलाना आजाद ने अपनी किताब में लिखा है कि उन्होंने महात्मा गांधी और जवाहर लाल नेहरु से देश के विभाजन को रोकने की अपील की थी, लेकिन उनकी बात नहीं मानी गई।

ओवैसी ने कहा कि इतिहास को एकतरफा तरीके से पेश करना सही नहीं है और मुसलमानों को विभाजन का दोषी बताना सही नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या कांग्रेस पार्टी उन लोगों में शामिल नहीं थी, जिन्होंने विभाजन की प्रक्रिया में भूमिका निभाई। इसके अलावा, ओवैसी ने अपनी पार्टी एआईएमआईएम को भाजपा की 'बी-टीम' कहे जाने पर कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की आलोचना की। उन्होंने पश्चिम बंगाल में अपनी पार्टी द्वारा केवल 11 सीटों पर चुनाव लड़ने को लेकर उठ रहे सवालों पर भी प्रतिक्रिया दी। उनका कहना था कि जब कांग्रेस और टीएमसी सैकड़ों सीटों पर चुनाव लड़ती हैं, तब एआईएमआईएम के 11 सीटों पर लड़ने से समस्या क्यों हो रही है। ओवैसी ने विपक्षी दलों को चुनौती देकर कहा कि अगर वे सच में भाजपा को हराना चाहते हैं, तब उन्हें अपनी रणनीति मजबूत करनी चाहिए और बहाने बनाना बंद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से भाजपा का मुकाबला करने में सक्षम है।

भीषण गर्मी के बीच 15 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट, यूपी-बिहार में बढ़ा खतरा

-भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दी चेतावनी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देशभर में अप्रैल की शुरुआत से ही गर्मी ने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। इस बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 15 राज्यों में आंधी, बिजली और बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं कई इलाकों में भीषण गर्मी और लू की स्थिति बनी हुई है, जिससे लोगों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है।

मौसम विभाग के अनुसार उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और पूर्वोत्तर के राज्यों में आने वाले दिनों में तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना है। दूसरी ओर पश्चिमी मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के कुछ हिस्सों में लू चलने की चेतावनी दी गई है। नई दिल्ली में सोमवार को अधिकतम तापमान 39 से 41 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 20 से 22 डिग्री के आसपास रह सकता है। सुबह के समय 15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। अगले दिन भी मौसम में खास बदलाव की उम्मीद नहीं है।

उत्तर प्रदेश में हालात ज्यादा गंभीर बने हुए हैं। प्रयागराज में अधिकतम तापमान 44.6 डिग्री, वाराणसी में 44.2 डिग्री और बांदा में 43.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। इसके अलावा कई जिलों में तापमान 42 डिग्री के पार पहुंच चुका है। आईएमडी ने वाराणसी, जौनपुर, गोरखपुर और देवरिया समेत पूर्वी यूपी के कई जिलों में लू का अलर्ट जारी किया है।

बिहार में भी मौसम का मिजाज बदलने वाला है। मौसम विभाग के मुताबिक 23 अप्रैल को तेज हवाओं और आंधी की संभावना है। खासकर सीमांचल क्षेत्र में सतर्क रहने की सलाह दी गई है, क्योंकि गर्म हवाओं के चलते हीटस्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है। जबकि पहाड़ी राज्यों में भी बदलाव के संकेत हैं। हिमाचल प्रदेश में 23 अप्रैल से नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है, जिससे ऊंचाई वाले इलाकों में बारिश होने की संभावना है।

दक्षिण भारत में मौसम सक्रिय

दक्षिण भारत में भी मौसम सक्रिय बना हुआ है। केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में गरज-चमक, बिजली और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि बदलते मौसम के इस दौर में लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। जहां एक ओर लू से बचाव जरूरी है, वहीं आंधी-तूफान के दौरान भी सावधानी बरतनी चाहिए।

अगर हमारे रिजॉइंटर को रिकॉर्ड पर नहीं तो 'मिसकैरिज ऑफ जस्टिस हो जाएगा

-कोर्ट ने कहा-रजिस्ट्री आपकी इसलिए स्वीकार नहीं होती क्योंकि आप खुद पैरवी कर रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा को कथित शराब घोटाले से जुड़े मामले की सुनवाई से खुद को अलग कर लेना चाहिए, इसके लिए दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल सोमवार को हाई कोर्ट में पेश हुए और सीबीआई के लिखित जवाब को लेकर अपना रिजॉइंडर स्वीकार करने की गुजारिश की। कोर्ट ने केजरीवाल को प्रक्रिया की याद दिलाई पर उनके जवाब को स्वीकार कर लिया है और फैसले को दो घंटे के लिए टाल दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केजरीवाल ने कहा कि आपने अनुमति दी थी मैम की रिजॉइंडर फाइल कर दो। रजिस्ट्री स्वीकार नहीं कर रही है। वह आदेश में नहीं आया। अगर हमारे रिजॉइंटर को रिकॉर्ड पर नहीं लिया गया। 'मिसकैरिज ऑफ जस्टिस हो जाएगा। जज ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि बार बार ये नहीं बोलना चाहिए कि मिसकैरिज ऑफ जस्टिस हो जाएगा, क्योंकि कोर्ट ने प्रक्रिया से बाहर जाकर आपका हलफनामा रिकॉर्ड पर लिया।

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने केजरीवाल को नियमों की याद दिलाते हुए कहा कि रजिस्ट्री आपकी याचिका इसलिए स्वीकार नहीं करती क्योंकि खुद आप अपनी पैरवी कर रहे हैं। इसलिए आपको ही पेश होना पड़ेगा। रिजस्ट्री का एक नियम है और आपको फॉलो करना पड़ेगा। आपको पहले यहां से मंजूरी लेनी पड़ेगी। यह कोई असाधारण मामला नहीं है। हमने आपको लिखित जवाब की कॉपी दी। रिजॉइंडर कभी उसका फाइल नहीं होता है, जिस दिन आप कोर्ट से गए थे अनुमति लेकर गए थे। आपने कहा कि आप मेरा सम्मान करते हैं। मैं हर वादी का सम्मान करती हूं। मैं इसे लिखित जवाब के रूप में रिकॉर्ड पर लूंगी। चूंकि फैसला सुरक्षित है, मैं उसमें विचार करूंगी।

अरविंद केजरीवाल ने सीबीआई की ओर से दाखिल जवाब के रिजॉइंडर में कहा है कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने अटकलों, डर फैलने वाले बयानों और अपमानजनक आरोपों का सहारा लिया लेकिन जस्टिस शर्मा के बच्चों के सरकारी पैनल में होने को लेकर पक्षपात के आरोपों पर कुछ नहीं कहा है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सीबीआई इस मामले की सुनवाई केवल एक माननीय जज से करवाकर पूरी न्यायपालिका को बदनाम करना चाहती है। केजरीवाल ने सीबीआई के उन आरोपों का विरोध किया कि वह दबाव बनाना चाहते हैं और मामलों को लंबित रखना चाहते हैं और बदनाम करने के लिए कैंपेन चला रहे हैं। उन्होंने इन आरोपों को निराधार बताया है।

रिपोर्ट के मुताबिक केजरीवाल ने अपने रिजॉइंडर में कहा है कि सीबीआई ने खुद स्वीकार किया है कि केंद्र सरकार की कानूनी व्यवस्था और जस्टिस शर्मा के परिवार के बीच सक्रिय व्यावसायिक संबंध हैं। उन्होंने कहा कि खुद सीबीआई के

मुताबिक, जस्टिस शर्मा के बच्चे पैनल में निष्क्रिय नाम नहीं है बल्कि सरकार से कानूनी काम हासिल कर रहे हैं। उन्होंने सीबीआई की उन दलीलों का भी विरोध किया कि जिसमें एजेंसी ने कहा कि केजरीवाल की दलीलों के आधार पर तो सभी जज अयोग्य हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि तथ्यों पर जवाब देने के बजाय सीबीआई ने कहा कि देश के सभी जज अयोग्य हो जाएंगे यह विवाद को बढ़ाने और पूरी न्यायपालिका को घसीटने की कोशिश है।

नारी सम्मान की पुकार में विपक्ष की पराजय और संघर्ष में भी विजय का विश्वास

कांतिलाल मांडोत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस पीड़ा और प्रतिबद्धता के साथ देश को संबोधित किया वह केवल एक नेता का वक्तव्य नहीं बल्कि एक जिम्मेदार नेतृत्व का संकेत था। उन्होंने यह स्वीकार किया कि महिला आरक्षण विधेयक पारित न हो पाने का उन्हें दुख है, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह संघर्ष यहीं समाप्त नहीं होगा बल्कि और अधिक दृढ़ता के साथ आगे बढ़ेगा यह दृष्टिकोण जनता के भीतर विश्वास पैदा करता है कि प्रयास सच्चे हैं और दिशा स्पष्ट है।

देश की राजनीति के वर्तमान दौर में महिला आरक्षण और परिसीमन का मुद्दा केवल एक विधायी प्रक्रिया नहीं बल्कि जनभावनाओं और राजनीतिक दृष्टिकोण का आईना बनकर सामने आया है इस पूरे घटनाक्रम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कौन वास्तव में नारी सशक्तिकरण के साथ खड़ा है और कौन इस विषय को केवल राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल कर रहा है। संसद में जो कुछ हुआ और उसके बाद जिस प्रकार से बयानबाजी और रणनीतियां सामने आईं उसने लोकतंत्र की परिपक्वता और दलों की मंशा दोनों को उजागर कर दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस पीड़ा और प्रतिबद्धता के साथ देश को संबोधित किया वह केवल एक नेता का वक्तव्य नहीं बल्कि एक जिम्मेदार नेतृत्व का संकेत था। उन्होंने यह स्वीकार किया कि महिला आरक्षण विधेयक पारित न हो पाने का उन्हें दुख है, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह संघर्ष यहीं समाप्त नहीं होगा बल्कि और अधिक दृढ़ता के साथ आगे बढ़ेगा यह दृष्टिकोण जनता के भीतर विश्वास पैदा करता है कि प्रयास सच्चे हैं और दिशा स्पष्ट है।

विपक्षी खेमे मे राहुल, प्रियंका और सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे जैसे नेताओं की बैठकों और प्रेस वार्ताओं ने यह दशार्या कि वे इस मुद्दे को जनहित की बजाय राजनीतिक अवसर के रूप में अधिक देख रहे हैं ।महिला आरक्षण जैसे संवेदनशील विषय पर स्पष्ट और ठोस समर्थन देने के बजाय उन्होंने शर्तों और संशोधनों की बात कर अपने रुख को कमजोर किया है। यह जनता के सामने उनकी प्राथमिकताओं को उजागर करता है।

यह भी महत्वपूर्ण है कि विपक्ष अब यह कह रहा है कि पुराने विधेयक को वर्तमान सीटों पर लागू किया जाए लेकिन जब अवसर था तब उन्होंने उसी विधेयक को समर्थन क्यों नहीं दिया। यह प्रश्न आज भी अनुत्तरित है। जनता इस विरोधाभास को भलीभांति समझ रही है और यह स्थिति विपक्ष की विश्वसनीयता को कमजोर करती है।

परिसीमन के मुद्दे पर भी जिस प्रकार से भ्रम फैलाने की कोशिश की गई वह लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ न्याय नहीं

है यह एक संवैधानिक व्यवस्था है जिसका उद्देश्य प्रतिनिधित्व को संतुलित करना है। लेकिन इसे क्षेत्रीय असंतुलन और राजनीतिक नुकसान के रूप में प्रस्तुत करना केवल जनता को भ्रमित करने का प्रयास प्रतीत होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने वक्तव्य में इस भ्रम को दूर करने का प्रयास किया और यह स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया सभी राज्यों के लिए समान रूप से लागू होती है।

इस पूरे घटनाक्रम में भाजपा और एनडीए की रणनीति अधिक स्पष्ट और संगठित दिखाई देती है जहां एक ओर वे संसद में अपने प्रयासों के माध्यम से विधेयक को पारित कराने की कोशिश कर रहे थे। वहीं दूसरी ओर अब वे जनता के बीच जाकर इस विषय को समझाने का संकल्प ले रहे हैं। यह सक्रियता और आत्मविश्वास यह दशार्ता है कि वे इस मुद्दे को केवल राजनीतिक लाभ के लिए नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन के रूप में देखते हैं।

विपक्ष द्वारा देशभर में अभियान चलाने और सरकार के खिलाफ वातावरण बनाने की बात यह दशार्ती है कि वे संसद में अपनी भूमिका को प्रभावी ढंग से निभाने में असफल रहे अब वे सड़कों पर संघर्ष के माध्यम से अपनी स्थिति को मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं ,लेकिन आज की जागरूक जनता केवल नारों और आरोपों से प्रभावित नहीं होती वह कार्य और नीयत दोनों को परखती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में जिस प्रकार से परिवारवाद और स्वार्थी राजनीति का उल्लेख किया वह भारतीय राजनीति की एक पुरानी समस्या की ओर संकेत करता है ।जब निर्णय समाज के व्यापक हित की बजाय कुछ परिवारों के हित में लिए जाते हैं, तब विकास और समान अवसर बाधित होते हैं ।महिला आरक्षण जैसे विषय ऐसे ढांचे के लिए चुनौती बनते हैं क्योंकि यह नई नेतृत्व क्षमता को जन्म देता है और सत्ता के केंद्रीकरण को तोड़ता है।

इस पूरे प्रकरण ने यह भी स्पष्ट किया है कि आज की नारी केवल दर्शक नहीं है वह सक्रिय रूप से राजनीति और समाज को समझ रही है। वह यह देख रही है कि कौन उसके अधिकारों के लिए ईमानदारी से प्रयास कर रहा है और कौन केवल दिखावे की राजनीति कर रहा है। यह जागरूकता भविष्य के राजनीतिक निर्णयों को प्रभावित करेगी।

कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के लिए यह स्थिति एक बड़ी राजनीतिक चुनौती के रूप में सामने आई है ।उनकी रणनीति में स्पष्टता की कमी और उनके बयानों में विरोधाभास ने उन्हें कमजोर स्थिति में ला खड़ा किया है ।यह कहना गलत नहीं होगा कि इस मुद्दे पर उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा है यह हार केवल संसद में नहीं बल्कि जनमानस में भी दिखाई दे रही है।

दूसरी ओर एनडीए के लिए यह एक अलग प्रकार की स्थिति है, जहां विधेयक पारित न हो पाने के बावजूद उन्होंने नैतिक और वैचारिक स्तर पर एक मजबूत स्थान प्राप्त किया है। यह वह स्थिति है जहां संघर्ष में भी जीत का अनुभव होता है। क्योंकि उद्देश्य स्पष्ट और प्रयास निरंतर हैं जनता इस अंतर को समझती है और यही समझ भविष्य में उनके समर्थन का आधार बन सकती है।

यह समय सभी राजनीतिक दलों के लिए आत्ममंथन का है लेकिन विशेष रूप से विपक्ष के लिए यह आवश्यक है कि वह केवल विरोध की राजनीति से आगे बढ़े और राष्ट्रीय मुद्दों पर सकारात्मक भूमिका निभाए अन्यथा वह जनता का विश्वास खोता जाएगा।

अंततः यह कहा जा सकता है कि महिला आरक्षण और परिसीमन का यह पूरा घटनाक्रम भारतीय लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण अध्याय बन गया है ।इसमें जहां एक ओर विपक्ष की कमजोरियां उजागर हुई हैं वहीं दूसरी ओर एनडीए की दृढ़ता और संकल्प सामने आया है। यह संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ है लेकिन जो संकेत मिल रहे हैं वे यह बताते हैं कि जनता अब अधिक सजग है और वह सही समय पर सही निर्णय लेने के लिए तैयार है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है और यही इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष भी है।

संपादकीय

मानव हित सर्वोपरि

हमारे समाज के बुद्धिजीवी, अध्यात्मिक व सामाजिक चिंतक गाहे-बगाहे कृत्रिम बुद्धिमत्ता से मानवीय मूल्यों के क्षरण पर लगातार चिंता जताते रहे हैं। अब इस चिंता पर पोप लियो 14 की स्वीकारोक्ति ने मोहर लगायी है। उन्होंने आशंका जतायी है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता से वैश्विक ध्रुवीकरण, संघर्ष, भय और हिंसा को बढ़ावा मिल सकता है। उनके इस बयान ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। ऐसे वक्त में जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सुविधा, गति व नवाचार के लिये सराहा जा रहा है, पोप ने चेताया है कि नैतिकता के बिना प्रौद्योगिकी घातक साबित हो सकती है। इसमें दो राय नहीं कि मूल रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता बुरी नहीं है, लेकिन यह तटस्थ भी नहीं है। निस्संदेह, इसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता कि संस्थान व सरकारें इसे कैसे डिजाइन करती हैं और कैसे इसका उपयोग करती हैं। हाल की कुछ घटनाओं ने इन चिंताओं की पुष्टि भी की है। विभिन्न देशों के लोकतांत्रिक चुनाव में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से निर्मित डीपफेक और क्लोन की गई आवाजों का प्रयोग झूठे विमर्शों को फैलाने, मतदाताओं को भ्रमित करने में किया गया। जिससे दुनिया में लोकतांत्रिक संस्थानों के प्रति जनता का भरोसा डिगा है। यह खतरनाक है कि साइबर ठगों ने क्लोनिंग उपकरणों के जरिये आवाज का उपयोग परिवार के सदस्यों व अधिकारियों के रूप में किया है। इसके जरिये साइबर अपराधियों ने पूरी दुनिया में लाखों लोगों की जीवन भर की पूंजी तक लूटी है।

विडंबना है कि जिस कार्य को अब तक तकनीकी-कौशल व संसाधनों के जरिये किया जाता था, वह तकनीक से अब आसानी व बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग भ्रामक सूचनाओं के लिये ही नहीं किया जा रहा है। आशंका है कि उन्नत एआई के जरिये वित्तीय प्रणालियों और साइबर सुरक्षा को खतरा पैदा किया जा सकता है। चिंता है कि शक्तिशाली एआई तकनीक से वित्तीय व्यवस्था की कमजोर कड़ियों को निशाना बनाया जा सकता है। जिसे पकड़ना नियामक संस्थाओं के लिये मुश्किल होगा। ये स्वचालित हमले बैंकिंग नेटवर्क में धोखाधड़ी करने में सक्षम हो सकते हैं। जो हमारी डिजिटल दुनिया से भी आगे घातक प्रभाव डाल सकते हैं। जिससे देशों में वित्तीय संकट पैदा हो सकते हैं। भुगतान व्यवस्था में व्यवधान व विश्वास से छल तथा राजनीतिक दुष्प्रचार से समाज में अस्थिरता पैदा हो सकती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के पर्यावरणीय घातक प्रभाव भी कम नहीं हैं। एआई के विस्तार के लिये विशाल डेटा केंद्रों, कोबाल्ट व लिथियम जैसे खनिजों की खुदाई की जरूरत होती है। जिसके लिये भारी पर्यावरणीय व मानवीय लागत की जरूरत होती है। निस्संदेह, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में न तो इसे नकारा ही जा सकता है और न ही ये बुद्धिमत्ता का फैसला होगा, लेकिन इसका जिम्मेदारी से प्रयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए। चिकित्सा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन व उत्पादकता में यह रामबाण सिद्ध हो सकती है, लेकिन यह मजबूत कानून, कंपनियों के सिस्टम की पारदर्शिता व सुरक्षा से ही निरापद हो सकती है। नागरिकों की डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना होगा।

भारतीय शिप ईरान की आई आर जी सी सेना की गोलिबारी निंदनीय

संजय गोस्वामी

शनिवार 18 अप्रैल 26 को भारत सरकार के शीर्ष सूत्रों के अनुसार, ईरानी आईआरजीसी ने नौसेना की गनबोटों ने भारतीय ध्वज वाले टैंकरों के पास चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाईं भारतिय दो टैंकर पर आई आर जी सी ने गोली चला दी भारत ने होर्मुज स्ट्रेट पर दो भारतीय जहाजों पर हुई गोलीबारी की घटना पर गंभीर चिंता जताते हुए देश में ईरान के राजदूत को तलब किया। हालांकि, विदेश मंत्रालय के बयान में समन शब्द का प्रयोग नहीं किया गया, लेकिन यह संकेत दिया गया कि ईरानी राजदूत फाथली को शनिवार शाम जवाहरलाल नेहरू भवन में विदेश सचिव से मिलने के लिए कहा गया था।भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने शनिवार (18 अप्रैल) शाम को भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फथली को तलब किया और होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरानी युद्धपोतों द्वारा दो भारतीय जहाजों पर की गई गोलीबारी पर ह्यगंभीर चिंताह्न जताई है।

ये घटनाएं ऐसे समय हुईं, जब ईरान ने जवाबी कार्रवाई के तौर पर इस महत्वपूर्ण जलडमरूमध्य को फिर से बंद कर दिया है। यह बंदी अमेरिका द्वारा ईरानी बंदरगाहों पर यातायात की निरंतर नाकाबंदी के जवाब में की गई है, जबकि तेहरान ने इस सप्ताह की शुरूआत में वाणिज्यिक यातायात के लिए इस मार्ग को खोलने का निर्णय लिया था

वो जो टैंकर था वो तो आप सभी धर्मों के लोगों के लिए था ऐ बहुत ही शर्मनाक घटना है फिर भी यहाँ के लोग उसको सपोर्ट करते हैं गलत है राष्ट्र सर्वोपरि है भारत माता के लिए हमेशा हमें

शनिवार 18 अप्रैल 26 को होरमुज जलडमरूमध्य में भारत के झंडे वाले दो जहाजों पर हुई फायरिंग ने ईरान की सत्ता संरचना में बढ़ती दरार को उजागर कर दिया है। यह फायरिंग इस बात को लेकर हुई भ्रम के कारण हुई कि शनिवार को होरमुज जलडमरूमध्य खुला था या नहीं। जहाँ एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने कहा कि सभी जहाज होरमुज जलडमरूमध्य से गुजर सकते हैं, लेकिन केवल तभी जब वे ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के साथ समन्वय करें, वहीं इसके विदेश मंत्री, अब्बास अराघची ने कहा कि फारस की खाड़ी में यह संकरा रास्ता खुला है, क्योंकि लेबनान में इजराइल-हिज्बुल्ला युद्ध के लिए संघर्ष-विराम समझौते पर सहमति बन गई थी। भारत को नेवी शिप भेज कर इसका करारा जबाब देना चाहिए भारत 140 करोड़ लोगों का एक लोकतान्त्रिक देश है और भारत ऐसा देश है जो गोली का जबाब गोली से देना जानता है भारत के लोग कहीं भी हो अगर हमला हुआ है तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए ईरान में सत्ता संघर्ष हो या कुछ भी ऐ एक आतंकवादी घटना है शिप पर भारत का तिरंगा होगा यदि इसे शक्ति से नहीं लिया गया तो आतंकी का हौसला बढ़ेगा और दुनिया में इसे मजाक बनाया जाएगा जिससे भारत की छवि धूमिल होगी जब ईरान की नेवी को अमेरिका के हमले से बचाने के लिए कोच्ची में अपना नेवी शिप भेज कर अमेरिका को अपनी ताकत का अहसास करा सकता है तो ऐसा हमला बर्दास्त नहीं है चाहे कोई भी हो भारत को इसका करारा जबाब देना चाहिए हम भगवान राम के मार्गदर्शन पर चलने वाले मान और मयार्दा से रहने वाला शांति प्रिय देश है तो हमें अपने लोगों की रक्षा का पूर्ण अधिकार है भारत को इसे गंभीरता से लेकर जबाबी कार्यवाही करना चाहिए अमेरिका क्या कर रहा है नहीं कर रहा है ऐ दो देशों का अंदरूनी मामला है इसमें भारत का कोई रोल नहीं है भारत एक शान्तिप्रिय देश है और भारत माँ की रक्षा के लिए मर मिटने वाला देश है ऐ हमला बिल्कुल जायज नहीं है इसपर भारत को कड़ा रुख अपनाना चाहिए ईरान की आबादी 9 करोड़ है और भारत की आबादी 140 करोड़ है इसे यदि हल्के में लिया गया तो परोसी दुश्मन मुल्क मजाक उड़ा सकता है क्योंकि उसके जहाज आ रहे हैं हम अपनी रक्षा के लिए आत्मनिर्भर हैं आतंकी हमला बर्दास्त नहीं है। भारत परमाणु संपन्न देश है और भारतीयों की रक्षा के लिए भारतीय सेना पूरे विश्व में अव्वल है भारतीय सशस्त्र बल भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के प्रबन्धन के अधीन हैं। 14 लाख से अधिक सक्रिय कर्मियों की शक्ति के साथ, यह विश्व की द्वितीय

सबसे बड़ी सैन्य शक्ति है इसलिए भारत को इसका कड़ा जबाब देना चाहिए नहीं तो पाकिस्तान और ईरान दोनों की सीमा सटती है वहाँ से तो आतंकवाद होता रहता है अब यदि धर्म के नाम पर ईरान भी इसी रास्ते चला तो आने वाले समय में आतंकवादी घटना बढ़ेगी लेकिन यहाँ तो एक नारी शक्ति बिल पर राजनीति हो रही जो संसद में पास नहीं हुआ लोकतंत्र है ऐसा होता है इसका सम्मान करना चाहिए हालांकि मुझे भी दुःख है लेकिन अदालत तो संसद के निर्णय को ही सही मानेगी अगर गलत है तो अगले चुनाव में पूर्ण बहुमत दे देना लेकिन राष्ट्र हित में जो निर्णय लिए जाएं वो सही हो इसलिए इस मुद्दे पर कार्यवाही करना चाहिए।

राजनीति और शेयर बाजार-एक अदृश्य लेकिन गहरा संबंध- विदेशी निवेशकों की मानसिकता: स्थिरता ही सर्वोच्च प्राथमिकता

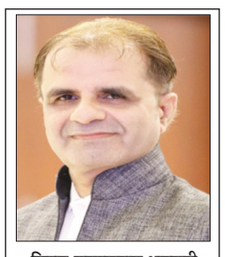

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर शेयर बाजार को अक्सर केवल आर्थिक आंकड़ों, कॉर्पोरेट प्रदर्शन और वैश्विक संकेतकों से जोड़कर देखा जाता है,लेकिन वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है। बाजार का एक महत्वपूर्ण आधार विश्वास (कॉन्फिडेंस) होता है,और यह विश्वास सीधे तौर पर राजनीतिक स्थिरता, नीतिगत स्पष्टता औरशासन की विश्वसनीयता से जुड़ा होता है।16-17 अप्रैल 2026 के संसदीय घटनाक्रम ने इसी विश्वास को झकझोरने का काम किया। एक तरफ नारी शक्ति वंदन अधिनियम को आधी रात में लागू किया गया, वहीं दूसरी ओर संवैधानिक संशोधन विधेयक का गिर जाना बाजार के लिए एक जटिल संकेत बनकर उभरा। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह घटनाक्रम केवल राजनीतिक नहीं था इसने निवेशकों के मनोविज्ञान, विदेशी पूंजी प्रवाह, और भारतीय शेयर बाजार की दिशा को प्रभावित करने की क्षमता दिखाई।लोकसभा में 528 सांसदों द्वारा मतदान, जिसमें 298 समर्थन और 230 विरोध में वोट पड़े,लेकिन दो-तिहाई बहुमत की कमी के कारण विधेयक का गिर जाना यह एक सामान्य संसदीय घटना नहीं थी।शेयर बाजार के दृष्टिकोण से यह पॉलिसी फेलियर सिग्नल (नीतिगत विफलता का संकेत) है। जब कोई सरकार बड़ा संवैधानिक संशोधन पास नहीं कर पाती, तो निवेशकों को यह संकेत मिलता है कि भविष्य में भी बड़े आर्थिक सुधारों को लागू करना कठिन हो सकता है।यहीं से बाजार में अनिश्चितता का प्रवेश होता है और अनिश्चितता ही शेयर बाजार की सबसे बड़ी और सटीक दुश्मन होती है।

साथियों बात अगर हम इस पूरे प्रकरण को भारत की आर्थिक प्रतिष्ठा और दृष्टिकोण से वैश्विक निवेशकों की दृष्टिः नीतिगत निरंतरता का संकट के रूप में समझने की करें तो अंतरराष्ट्रीय निवेशक और संस्थागत निवेशक किसी भी देश में निवेश करते समय केवल आर्थिक आंकड़ों को नहीं देखते, बल्कि वे राजनीतिक स्थिरता और नीतिगत निरंतरता को भी समान महत्व देते हैं। जब संसद में कोई प्रमुख संवैधानिक संशोधन विधेयक विफल होता है, तो यह संकेत देता है कि सरकार के पास पर्याप्त संख्या बल या राजनीतिक सहमति नहीं है।इस संदर्भ में इंटरनेशनल मोनेटारी फंड और वर्ल्ड बैंक जैसे संस्थान भी ऐसे घटनाक्रमों को गंभीरता से देखते हैं। इससे देश की जोखिम प्रोफाइल (रिस्क परसेंप्शन) प्रभावित होती है, जो विदेशी पूंजी प्रवाह (कैपिटल इन्फ्लेोज)पर तत्काल प्रभाव डाल सकती है।शेयर बाजार की मनोविज्ञानः अनिश्चितता का तात्कालिक प्रभाव पर आधारित होता है,शेयर बाजार मूलतः अपेक्षाओं और विश्वास पर आधारित होता है। जब सरकार के बड़े विधेयक विफल होते हैं,तो निवेशकों में अनिश्चितता बढ़ जाती है। इसका परिणाम अल्पकालिक गिरावट या अस्थिरता के रूप में सामने आ सकता है।विशेष रूप से जब बाजार पहले से गिरावट के दौर में हो, तब इस प्रकार की राजनीतिक घटनाएँ निवेशकों की चिंता को और बढ़ा देती हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक अक्सर ऐसी स्थितियों में अपने निवेश को अस्थायी रूप से कम कर देते हैं, जिससे बाजार में गिरावट बहुत ही तेज हो सकती है।

साथियों बात अगर हम रूल 66 और बाजार की प्रतिक्रियाः प्रक्रिया बनाम परिणाम को समझने की करें तो, संसद में रूल 66 को निर्लंबित करना और तीन विधेयकों को एक साथ जोड़ना केवल राजनीतिक रणनीति नहीं थी, बल्कि यह बाजार के लिए एक ह्यप्रोसीजरल रिस्क ह्न (प्रक्रियागत जोखिम) का संकेत था।निवेशक केवल यह नहीं देखते कि क्या पास हुआ या नहीं,बल्कि यह भी देखते हैं कि निर्णय कैसे लिए गए। जब प्रक्रिया में पारदर्शिता कम होती है, तो बाजार में ह्लगवर्नेंस रिस्क प्रीमियमह्न बढ़ जाता है अर्थात निवेशक अधिक जोखिम मानकर निवेश कम करने लगते हैं।शेयर बाजार की तत्काल प्रतिक्रियाः गिरावट, अस्थिरता और एफआईआई की रणनीतिऐसे घटनाक्रमों के बाद आमतौर पर तीन प्रकार की प्रतिक्रियाएँ देखने को मिलती हैंः शॉर्ट-टर्म गिरावट (शार्ट - टर्म-करेक्शन):निवेशक घबराहट में बिकवाली शुरू करते हैं,जिससे बाजार में गिरावट आती है।वोलैटिलिटी (वोलाटिलिटी) में वृद्धिः बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ जाता है, क्योंकि निवेशक स्पष्ट दिशा नहीं समझ पाते।

साथियों बात अगर हम फॉरेन इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर्स) का सतर्क रवैयाः इसको समझने की करें तो विदेशी निवेशक अस्थायी रूप से निवेश घटा सकते हैं या 'वेट एंड वाच रणनीति अपनाते हैं। यह वही स्थिति है जो 16-17 अप्रैल के बाद देखने को मिल सकती है विशेषकर तब, जब बाजार पहले से गिरावट के दबाव में हो।वैश्विक निवेशक जैसे इंटरनेशनल मोनेटारी फंड और वर्ल्ड बैंक से जुड़े विश्लेषक किसी भी देश की निवेश क्षमता को तीन प्रमुख आधारों पर आंकते हैंः(1) राजनीतिक स्थिरता (2) नीतिगत निरंतरता (3)सं स्थागत पारदर्शिता जब संसद में बड़ा विधेयक गिरता है, तो यह संकेत जाता है कि सरकार को व्यापक समर्थन प्राप्त नहीं है।इससे पोलिटिकल रिस्क इंडेक्स बढ़ता है, जो सीधे तौर पर निवेश निर्णयों को प्रभावित करता है।

साथियों बात अगर हम रुपया, बॉन्ड मार्केट और इक्विटी मार्केट पर संयुक्त प्रभाव इसको समझने की करें तो इस प्रकार की राजनीतिक अनिश्चितता का असर केवल शेयर बाजार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह तीन स्तरों पर प्रभाव डालता है:(1) रुपया (करेंसी):विदेशी निवेशक यदि पैसा निकालते हैं, तो रुपये पर दबाव बढ़ता है और वह डॉलर के मुकाबले कमजोर हो सकता है।(2)बॉन्ड मार्केटः सरकारी नीतियों पर भरोसा कम होने से बॉन्ड यील्ड बढ़ सकती है, जिससे उधारी महंगी हो जाती है। (3) इक्विटी मार्केटः कंपनियों के भविष्य के मुनाफे पर अनिश्चितता बढ़ने से शेयरों की कीमतों में गिरावट आ सकती है।महिला सशक्तिकरण और बाजार का दीर्घकालिक दृष्टिकोणहालांकि अल्पकालिक प्रभाव नकारात्मक हो सकता है,लेकिन महिला सशक्तिकरण जैसे सुधार दीर्घकाल में बाजार के लिए अत्यंत सकारात्मक होते हैं।वर्ल्ड बैंक के अनुसार यदि महिला श्रम भागीदारी में वृद्धि होती है,तो जीडीपी में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है।इसका सीधा प्रभाव शेयर बाजार पर पड़ता है, क्योंकिः(1) उपभोक्ता मांग बढ़ती है(2) कंपनियों की बिक्री और मुनाफा बढ़ता है (3) आर्थिक गतिविधि तेज होती हैअर्थात, महिला आरक्षण जैसे कदम बाजार के लिए 'लॉन्ग - टर्म बुलिश ट्रिगर' बन सकते हैं भले ही अल्पकाल में अनिश्चितता हो।

साथियों बात अगर हमस्टार्टअप इकोसिस्टम और क्विक-कॉमर्स विवाद को समझने की करें तोः बाजार के लिए नया जोखिम- भारत का शेयर बाजार इस समय एक और चुनौती का सामना कर रहा है स्टार्टअप बनाम पारंपरिक अर्थव्यवस्था का संघर्ष।जीप्टो , ब्लाइंकिट और स्विग्गी इंस्टामार्ट जैसे प्लेटफॉर्म्स ने तेजी से विस्तार किया है।वहीं आल इंडिया कंस्यूमर प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन ने इनके खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं जैसे प्रेडेटरी प्राइसिंग और पारंपरिक रिटेल को नुकसान।आईपीओ बाजार पर संभावित असरः वैल्यूएशन बनाम वास्तविकता, यदि घाटे में चल रही कंपनियाँ उच्च वैल्यूएशन पर आईपीओ लाती हैं, तो यह बाजार में बबल फार्मेशन का संकेत हो सकता है।(1) निवेशकों के लिए जोखिम : (2)ओवरवैल्यूएशन पर निवेश (3) लिस्टिंग के बाद गिरावट (4) बाजार में भरोसे की कमी,यदि ऐसे आईपीओ असफल होते हैं, तो यह पूरे टेक सेक्टर और स्टार्टअप इकोसिस्टम को प्रभावित कर सकता है।

साथियों बात अगर हम नियामक साख और बाजार की विश्वसनीयता इसको समझने की करें तो, नियामक संस्थाओं की भूमिका इस समय अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि वे निवेशकों के हितों की रक्षा नहीं कर पाते, तो बाजार की विश्वसनीयता पर प्रश्न उठ सकते हैं।यह स्थिति विदेशी निवेशकों के लिए एक 'रेड फ्लैग' बन सकती है, जिससे वे अन्य देशों की ओर रुख कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम राजनीतिक घटनाक्रम और बाजार के बीच संबंध का सार इसको समझने की करें तो 16-17 अप्रैल 2026 की घटनाएँ यह स्पष्ट करती हैं किःराजनीति और बाजार अलग-अलग नहीं हैं,नीतिगत अनिश्चितता बाजार को तुरंत प्रभावित करती है,निवेशकों का विश्वास सबसे महत्वपूर्ण कारक है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि क्या यह गिरावट अवसर है या चेतावनी? शेयर बाजार में हर गिरावट केवल जोखिम नहीं होती कई बार यह अवसर भी होती है। यदि सरकार आने वाले समय मेंःनीतिगत स्पष्टता बढ़ाती है,आर्थिक सुधारों को जारी रखती है,निवेशकों का विश्वास बहाल करती है,तो यह गिरावट एक 'बाइंग अपोर्चनिटी बन सकती है।लेकिन यदि अनिश्चितता बनी रहती है, तो यह बाजार के लिए एक दीर्घकालिक चुनौती बन सकती है।इसलिए ,भारतीय शेयर बाजार का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि देशराजनीतिक स्थिरता और आर्थिक सुधारों के बीच संतुलन कैसे स्थापित करता है क्योंकि आज का निवेशक केवल आंकड़ों से नहीं, बल्कि विश्वास से निवेश करता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

किरायाः पितृसत्ता के बोझ तले टूटते परिवार की मार्मिक कहानी

पावेल सिंह की शॉर्ट फिल्म किराया एक साधारण से दिखने वाले परिवार के भीतर छिपे असाधारण तनावों को बेहद संवेदनशीलता के साथ सामने लाती है। यह फिल्म सिर्फ एक घर की कहानी नहीं, बल्कि उस सामाजिक संरचना का आईना है जहाँ आज भी सामंतवादी और पितृसत्तात्मक सोच परिवारों को भीतर से खोखला कर रही है। फिल्म का मूल कथ्य उस सोच पर केंद्रित है जिसमें पुरुष खुद को घर का मुखिया मानते हुए यह तय करता है कि स्त्री का स्थान केवल घर और बच्चों तक सीमित है। पत्नी का काम न करना, आर्थिक निर्भरता और बढ़ती तंगी–ये सब मिलकर परिवार को संघर्ष के ऐसे मोड़ पर ला खड़ा करते हैं जहाँ रिश्तों की दरारें साफ दिखाई देने लगती हैं। फिल्म का सबसे प्रभावशाली पक्ष यह है कि यह पति-पत्नी के झगड़ों को सिर्फ उनके बीच की समस्या नहीं मानती, बल्कि बच्चों पर उसके गहरे मनोवैज्ञानिक प्रभाव को बेहद मार्मिक ढंग से प्रस्तुत करती है। घर का छोटा बेटा, जो इस तनावपूर्ण माहौल का मौन साक्षी है, अंततः मजबूरी में अपनी मां की सोने की चेन चुराकर किराया भर देता है–यह दृश्य दर्शक को भीतर तक झकझोर देता है। निर्देशन की दृष्टि से पावेल सिंह ने कहानी को अनावश्यक नाटकीयता से दूर रखते हुए यथार्थ के करीब बनाए रखा है। संवाद कम लेकिन प्रभावशाली हैं, और कैमरा उन खामोशियों को भी दर्ज करता है जो शब्दों से अधिक बोलती हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

हसनपुर में जनसमस्याओं को लेकर भाकियू (शंकर) का अल्टीमेटम

समाधान न होने पर 24 अप्रैल को धरना प्रदर्शन की दी चेतावनी

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की हसनपुर तहसील पर सोमवार को भारतीय किसान यूनियन (शंकर) के तत्वावधान में तहसील अध्यक्ष राकेश चौहान के नेतृत्व एवं जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा बबीता रानी के संचालन में उपजिलाधिकारी को क्षेत्र की गंभीर जनसमस्याओं को लेकर एक विस्तृत मांग पत्र सौंपा गया।मांग पत्र में अवगत कराया गया कि तहसील क्षेत्र में किसानों एवं आमजन से जुड़ी अनेक समस्याएँ लंबे समय से लंबित हैं, जिनके समाधान के प्रति प्रशासनिक स्तर पर अपेक्षित कार्यवाही नहीं हो रही है। विशेष रूप से हसनपुर चीनी मिल के बंद होने के कारण किसानों का बकाया गन्ना मूल्य भुगतान न होने से उनकी आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई है।

बता दें कि भाकियू (शंकर) द्वारा अपनी प्रमुख मांगों को रखते हुए कहा गया कि आवारा एवं खूंखार कुत्तों के हमलों से जनहानि एवं पशुहानि की बढ़ती घटनाएँ।,छुट्टा गोवंश द्वारा फसलों की भारी क्षति एवं उनके स्थायी प्रबंधन की मांग।,नई तहसील भवन क्षेत्र में चेतन चौहान मार्ग पर यातायात अव्यवस्था तथा रामपुर रोड की ओर वैकल्पिक गेट खोलने की आवश्यकता।,किसानों के अंश निर्धारण एवं अन्य राजस्व कार्यों में त्रुटियाँ व अनावश्यक विलंब।,चकबंदी प्रक्रिया में भ्रष्टाचार एवं ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जे; किसानों की असहमति वाले ग्रामों में चकबंदी स्थगित करने की मांग।,किसान क्रेडिट कार्ड (डउउ) में बैंकों की मनमानी पर रोक लगाते हुए ड्ढ5 लाख सीमा का पारदर्शी क्रियान्वयन।,प्राकृतिक खेती उत्पादों को उचित बाजार मूल्य दिलाने की मांग।,घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 200 यूनिट तक विद्युत शुल्क माफी एवं प्रतिदिन न्यूनतम 10 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति।,हसनपुर-अतरासी चौराहे पर जाम की समस्या के समाधान हेतु गोलचक्कर निर्माण।,हसनपुर चीनी मिल का विस्तारीकरण एवं किसानों का बकाया गन्ना भुगतान शीघ्र कराया जाए।,मोहम्मदाबाद एवं ओसीता ढाल क्षेत्र की 600 बीघा ग्राम समाज भूमि को भूमाफियाओं से मुक्त कर गौशाला हेतु आरक्षित किया जाए।

संगठन ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि उपरोक्त समस्याओं का समाधान दिनांक 23 अप्रैल तक नहीं किया गया, तो भारतीय किसान यूनियन (शंकर) 24 अप्रैल दिन शुक्रवार को तहसील परिसर में विशाल धरना-प्रदर्शन एवं पंचायत आयोजित करेगी।साथ ही यह भी मांग की गई कि 24 अप्रैल को दोपहर 2:00 बजे तक संबंधित विभागों के अधिकारी–चकबंदी क्षेत्राधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी, मुख्य गन्ना प्रबंधक, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अधिशासी अभियंता विद्युत, वन विभाग एवं तहसील प्रशासन–किसानों के साथ संवाद हेतु उपस्थित रहें।संगठन ने चेताया कि यदि अधिकारीगण वार्ता के लिए उपस्थित नहीं होते हैं, तो संगठन अपनी कार्यकारिणी के निर्णय के अनुसार आगे की रणनीति तय करेगा, जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष चौधरी नेमपाल सिंह,नेतराम सैनी हरि सिंह सैनी लोकेश प्रधान कैप्टन वीर सिंह चौहानचौधरी धर्मवीर सिंह, राजपाल सैनी, मुकटलाल सैनी, भारतराम सिंह, वीर सिंह सैनी,राकेश रतनपुर,मा मंगल सिंह,संगठन के पदाधिकारी एवं क्षेत्रीय किसान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म के मामले में अभियुक्त को मात्र 60 दिन के अंदर आजीवन कारावास

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में थाना सैदनगली पुलिस ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म के मामले में अभियुक्त गजेन्द्र पुत्र मल्लाह को आजीवन कारावास और 70,000 रुपये अर्थदण्ड की सजा दिलाई है। 6 जनवरी को वादिनी द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर अभियुक्त के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने 24 घंटे के भीतर अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। विवेचक वरिष्ठ उप निरीक्षक दीपक कुमार और थानाध्यक्ष सैदनगली विकास कुमार ने क्षेत्राधिकारी हसनपुर के पर्यवेक्षण में साक्ष्यों का संकलन करते हुए गुणवत्तापूर्ण विवेचना संपादित की और मात्र 27 दिवस के भीतर आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। मिशन शक्ति फेज-5.0 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत इस जघन्य अपराध में त्वरित न्याय सुनिश्चित कराया गया, जिसके फलस्वरूप मात्र 60 दिवस के परीक्षण के उपरांत न्यायालय ने अभियुक्त को आजीवन कारावास और 70,000 रुपये अर्थदण्ड की सजा सुनाई। पुलिस अधीक्षक अमरोहा ने थाना प्रभारी सैदनगली विकास कुमार, विवेचक व0उ0नि0 दीपक कुमार, मॉनिटरिंग सेल प्रभारी अनिल कुमार और एडीजीसी रतनलाल लोधी की संयुक्त रूप से प्रशंसा की है।

अमरोहा में हिंदू-सिक्ख भाईचारा समागम कार्यक्रम का भव्य आयोजन,हजारों लोग हुए शामिल

अतरासी/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में अतरासी-हसनपुर रोड स्थित धारीवाल बैंक्वेट हॉल में हिन्दू-सिख भाईचारा समागम कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया,जिसमें सामाजिक सौहार्द और भाईचारे की मिशाल देखने को मिली।इस कार्यक्रम में क्षेत्र ही नहीं बल्कि दूर-दराज से भी हजारों लोग आकर शामिल हुए।।

बता दें कि कार्यक्रम का आयोजन ग्लोबल पंजाबी एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सोरन सिंह चौधरी के द्वारा किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि प्रदीप जोशी ,अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व अति विशिष्ट अतिथियों में डॉक्टर इकबाल सिंह लालपुरा ,पंज प्यारे भाई धर्म सिंह के वंशज बाबा गुरप्रीत सिंह (अंतरराष्ट्रीय संत) ,सरदार मोहिंदर सिंह सिद्धू व सिख समुदाय के बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे और उन्होंने अपने विचार साझा करते हुए समाज में एकता, प्रेम और आपसी सम्मान को बढ़ावा देने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान वहां उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि हिन्दू और सिख समाज का रिश्ता ऐतिहासिक रूप से गहरा और मजबूत रहा है, जिसे आगे भी इसी तरह बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।डॉ इकबाल सिंह लालपुरा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी भाईचारे को मजबूत करते हैं और हमें एकजुट रहने की प्रेरणा देते हैं। लोगो की माने तो उनका कहना है कि यह ह्लहिन्दू-सिख भाईचारा समागमह्व कार्यक्रम सामाजिक समरसता और एकता का प्रतीक बनकर सामने आया है जिसने सभी को मिल-जुलकर रहने और देश की अखंडता को बनाए रखने का संदेश दिया। डॉ. इकबाल सिंह लालपुरा को बिजनौर, रामपुर, पीलीभीत, लखीमपुर के किसानों द्वारा उनकी जमीनों का मालिकाना हक दिलाने पर बाबा बघेल सिंह सम्मान द्वारा सम्मानित किया गया।उन्हें प्रतीक स्वरूप दो किसानों की जोड़ी और बैलगाड़ी दी गयीं।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से धनोरा विधायक राजीव तरारा,सरदार सुरेंद्र सिंह, राजीव त्यागी, खिलेंदर सिंह, राजीव चौहान, योगेश सोनू, ईश्वर गुर्जर, चंद्रभान भाटी,पूरन सिंह सैनी, कृष्ण कुमार जाटव,रामरतन सिंह, बबीता उप्पल, प्रियंका चहल, महिपाल सिंह,दिवाकर सिंह, सत्यपाल सिंह पाल,सतवीर सिंह, चमन सिंह,आचार्य दुष्यंत जी,संगीत पंवार,प्रवीण राठी,विनीत सिरोही, राजपाल सिंह मौजूद रहें।

धनौरा में एनएचएम संविदा कर्मियों में मार्च का वेतन न मिलने पर आक्रोश,सीएमओ ने जल्द भुगतान का दिया आश्वासन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत मंडी धनौरा ब्लाक में कार्यरत संविदा कर्मचारियों को मार्च माह का वेतन अब तक नहीं मिला है। अप्रैल का आधा महीना बीत जाने के बाद भी वेतन न मिलने से कर्मचारियों में रोष है।

बता दें कि इस मामले में कर्मचारियों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक उन्हें हर महीने निर्धारित तिथि पर वेतन नहीं मिलता। वेतन में देरी अब एक सामान्य समस्या बन गई है। इससे कर्मचारियों को घर चलाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। नाम न छापने की शर्त पर कुछ कर्मचारियों ने बताया कि अप्रैल में बच्चों के स्कूल दाखिले और नई कक्षाओं की शुरूआत होती है। स्कूल फीस, किताबों का खर्च और घर के राशन जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए उन्हें दूसरों से मदद मांगनी पड़ रही है।

कुछ समय पहले जिले के प्रभारी मंत्री केपी मलिक के धनौरा सीएचसी आगमन पर संविदा कर्मचारियों ने उन्हें अपनी समस्याओं से अवगत कराया था। कर्मचारियों को उम्मीद थी कि मंत्री के हस्तक्षेप से स्थिति में सुधार होगा, लेकिन उनकी मांगों पर अब तक कोई गंभीर विचार नहीं किया गया है।वेतन में देरी के संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. योगेन्द्र सिंह ने बताया कि कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि 25 अप्रैल के बाद सभी के खातों में वेतन की धनराशि भेज दी जाएगी।अब देखना यह है कि विभाग अपने वादे पर खरा उतरता है या कर्मचारियों का इंतजार और लंबा खिंचता है। फिलहाल, वेतन न मिलने के कारण इन स्वास्थ्य कर्मचारियों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है।

आवारा सांड से टकराई कार, दूल्हा दुल्हन समेत अन्य कई घायल

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- थाना रहरा क्षेत्र के गांव पोरारा में आई एक बारात की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं, जब विदाई के बाद लौट रही कार एक आवारा सांड से टकरा गई। हादसा सोमवार सुबह करीब 10 बजे रहरा स्थित एक पेट्रोल पंप के पास हुआ, जिसने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी। जानकारी के अनुसार, संभल जिले के गांव शेरपुर से रविवार रात बारात जनपद अमरोहा के रहरा थानाक्षेत्र के गांव पोरारा आई थी। शादी की सभी रस्में हंसी-खुशी संपन्न हुईं और सोमवार सुबह बारात विदा होकर अपने गांव लौट रही थी। दूल्हा विशाल (24 साल) पुत्र सतपाल, दुल्हन स्वाति (22 साल) पुत्री नरेश के साथ कार में सवार होकर घर के लिए निकले ही थे कि रास्ते में अचानक एक आवारा सांड सामने आ गया। जिससे कार की टक्कर हो गई ल। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें बैठे सभी लोग घायल हो गए। घायलों में दूल्हा विशाल, दुल्हन स्वाति, दूल्हे के फूफा विजेंद्र, फुफेरा भाई कुनाल और चाचा तेजपाल शामिल हैं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए दौड़ पड़े। स्थानीय लोगों की सहायता से सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार, दूल्हा-दुल्हन की हालत गंभीर बनी हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। स्थानीय लोगों का कहना है कि आए दिन इस तरह की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा। लोगों ने प्रशासन से आवारा सांडों पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों से बचा जा सके।

मामूली कहासुनी पर पेट्रोल पंप कर्मचारियों ने युवकों के साथ की मारपीट, वीडियो वायरल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला कोतवाली क्षेत्र के नेशनल हाईवे किनारे स्थित एक पेट्रोल पंप पर पेट्रोल पंप कर्मचारियों ने कार सवार दो युवकों के साथ मामूली कहासुनी पर जमकर मारपीट की। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है जिसमें पेट्रोल पंप कर्मी और असलहे से लैस सुरक्षा कर्मी दो युवकों को जमकर पीटते हुए दिखाई दे रहे हैं बताया जा रहा है कि दोनों युवक इस मारपीट में गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने इस मामले में वीडियो के आधार पर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

बता दें कि प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना अमरोहा के गजरौला थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर KFC रेस्टोरेंट के सामने हुई। पेट्रोल भरवाने को लेकर कर्मचारियों और युवकों के बीच किसी बात को लेकर बहस शुरू हुई, जिसने जल्द ही हिंसक रूप ले लिया। विवाद इतना बढ़ गया कि पेट्रोल पंप पर अफरा-तफरी मच गई।वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि पेट्रोल पंप के कर्मचारी और सुरक्षाकर्मी मिलकर दो युवकों पर लात-घूंसे और थप्पड़ बरसा रहे हैं। इस मारपीट में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

घटना के दौरान मौके पर मौजूद अन्य लोगों में हड़कंप मच गया।इस मामले में गजरौला थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि वायरल वीडियो का संज्ञान लिया गया है। पुलिस ने वीडियो के आधार पर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

गजरौला में शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग

दमकल विभाग कर्मियों ने वमुश्किल आग पर पाया काबू

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- गजरौला नगर कोतवाली में सोमवार की शाम को रमाबाई डिग्री कॉलेज के सामने बनी मार्केट की दुकानों की छत पर अचानक भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट रहा। हादसे के समय स्थानीय लोगों व दुकानदारों में अफरा तफरी मच गई। जिसके बाद घटना की सूचना दमकल विभाग को दी गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंची जिसने आग को बुझाने का कार्य शुरू किया और वमुश्किल आग पर काबू पाया। स्थानीय लोगों से प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया गया कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी और गनीमत रही की हादसे के समय मौके पर किसी का कोई नुकसान नहीं हुआ है और ना ही कोई जनहानि हुई है।

नितिन गौड़ ने संभाला जिलाधिकारी अमरोहा का कार्यभार

अमरोहा (सब का सपना):- नवागत जिलाधिकारी नितिन गौड़ ने सोमवार को कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त कलैक्ट्रेट सभागार में प्रेस संवाददाताओं से भेंट वार्ता कर सभी से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि वह मूल रुप से दिल्ली के रहने वाले हैं। वर्ष 2016 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के आईएएस अधिकारी है। इससे पूर्व वह उपाध्यक्ष, हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण, नगर आयुक्त गाजियाबाद तथा मुख्य विकास अधिकारी मथुरा जैसे महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएँ दे चुके हैं। कार्यभार ग्रहण करने के बाद नितिन गौड़ ने कहा कि उनकी प्रमुख प्राथमिकताएँ रहेंगी। शासन की मंशा के अनुरूप जनशिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण, सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन तथा हर पात्र व्यक्ति तक लाभ पहुँचाना, सुदृढ़ कानून व्यवस्था के साथ ही जनसमस्याओं, शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से निस्तारण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगा। गंगा एक्सप्रेसवे एवं इससे जुड़े सभी विकास कार्यों को तेज गति प्रदान करना, किसानों के हित में किसान-केंद्रित योजनाओं और कृषि सहायता व्यवस्था को मजबूत करना, स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करना जिसमें बाह्य रोगी एवं आंतरिक रोगी विभाग का बेहतर संचालन तथा दवाओं की निरंतर उपलब्धता शामिल है। शिक्षा क्षेत्र में शिक्षा का अधिकार प्रावधानों का क्रियान्वयन, सरकारी स्कूलों में मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करना तथा शिक्षकों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करना और अमरोहा शहर को स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं सुंदर बनाना रहेगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप सिंह, समस्त उपजिलाधिकारी, वरिष्ठ कोषाधिकारी अशोक राव गौतम सहित कलेक्ट्रेट के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस नेताओं ने अनूपशहर में परशुराम जन्मोत्सव पर किया नमन

बुलंदशहर (सब का सपना):- अक्षय तृतीया के उपलक्ष्य में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी मनोज शर्मा द्वारा परशुराम धाम में आयोजित परशुराम जन्मोत्सव में कांग्रेस नेताओं व कार्यकताओं ने सामाजिक लोगों के साथ पहुंचकर भगवान परशुराम को नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। जहां वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोज शर्मा द्वारा आए हुए सभी कांग्रेस नेता व समाजसेवियों का माला व भगवान परशुराम का पटका डालकर सम्मानित किया तथा सभी ने जन्मोत्सव पर कुरीतियों से दूर रहकर राष्ट्र सेवा में जुटने के आह्वान के साथ प्रसाद ग्रहण किया। कांग्रेस नेताओं के साथ-साथ ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष नीरज शर्मा, कांग्रेस नेता डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर मनरेगा संग्राम प्रज्ञा गौड़, उपाध्यक्ष कोऑर्डिनेटर ज्ञानेंद्र सिंह राघव, कांग्रेस वरिष्ठ नेता एडवोकेट सलभ शर्मा, कांग्रेस नेता राजेंद्र शर्मा, कांग्रेस नेता कौशल शर्मा, प्रधानाचार्य हेमंत शर्मा, सपा नेता अजय पाठक, व समाजसेवी संजू शर्मा सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत,परिवार में मचा कोहराम

बहजोई/संभल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र में सोमवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में 24 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान विमल पुत्र हरिराम निवासी ग्राम वहीपुर, थाना इस्लामनगर, जिला बदायूं के रूप में हुई है।
जानकारी के अनुसार, विमल नोएडा में एक प्राइवेट कंपनी में कार्यरत था और बिना किसी को बताए मोटरसाइकिल से अपने गांव लौट रहा था। बताया गया कि वह बिना हेलमेट लगाए सफर कर रहा था। रास्ते में थाना बहजोई क्षेत्र के ग्राम पंवासा के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने पर 108 एम्बुलेंस द्वारा घायल अवस्था में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बहजोई लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।
ग्राम मऊ अससू निवासी जैकी ने घटना की जानकारी दी। हादसा सोमवार तड़के करीब 1:30 बजे का बताया जा रहा है।
पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

लावारिस मूकबधिर बच्चे को पीआरवी पुलिस ने तलाश कर परिवार से मिलाया

सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंची 112 पुलिस , सूझबूझ से परिजनों को सौंपा मासूम

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना क्षेत्र में पीआरवी-112 पुलिस की तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता का सराहनीय उदाहरण सामने आया है। रविवार को पीआरवी पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि बबराला रोड स्थित मण्डी गेट पर एक लगभग 10 वर्षीय मूकबधिर बच्चा लावारिस हालत में रो रहा है और घर का रास्ता भूल गया है।
सूचना मिलते ही पीआरवी कर्मियों ने तेजी दिखाते हुए तुरन्त मौके पर पहुंचकर बच्चे को सुरक्षित अपने संरक्षण में लिया। बच्चा मूकबधिर होने के कारण अपने घर का पता बताने में असमर्थ था। इस पर पुलिस ने थाना बहजोई और कंट्रोल रूम को सूचना दी, जिसके बाद जनपद के सभी थानों में बच्चे की जानकारी प्रसारित की गई और व्हाट्सएप ग्रुप में फोटो भी साझा किया गया।
पुलिस टीम ने हार नहीं मानी और बच्चे को साथ लेकर आसपास के इलाकों में उसके परिजनों की तलाश शुरू की। काफी प्रयासों के बाद बच्चे के पिता हरिओम दीक्षित निवासी टंकी मोहल्ला, थाना बहजोई मिल गए। उन्होंने बच्चे की पहचान कैश दीक्षित के रूप में की, जो घर से खेलते-खेलते भटक गया था।
पुलिस ने बच्चे को सकुशल उसके पिता को सौंप दिया, जिससे परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। परिजनों और कॉलर द्वारा पुलिस की इस सराहनीय कार्यवाही की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया गया।
यह पूरी कार्यवाही पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक/नोडल अधिकारी यूपी-112 तथा क्षेत्राधिकारी यातायात/डायल-112 मनोज कुमार के निर्देशन एवं प्रभारी निरीक्षक यूपी-112 रजनीश कुमार के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

राष्ट्रीय लोक अदालत नौ मई को, अधिक से अधिक वाद निस्तारण के दिए निर्देश

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा-निदेर्शों के अनुपालन में प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत 9 मई के सफल आयोजन एवं व्यापक प्रचार-प्रसार को लेकर सोमवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत/अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश संभल, चंदौसी स्थित अवधेश कुमार सिंह के विश्राम कक्ष में संपन्न हुई, जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया।
बैठक में निर्देश दिए गए कि अधिक से अधिक वादों का निस्तारण शीघ्र, किफायती एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से किया जाए। साथ ही यह भी बताया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में समझौते के आधार पर निस्तारित मामलों में अदालती शुल्क नहीं लिया जाएगा, जिससे पक्षकारों को त्वरित राहत मिल सके।
अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि बैंकों द्वारा लंबित ऋण वसूली से संबंधित अधिकतम प्रकरण लोक अदालत में प्रस्तुत किए जाएं, ताकि आपसी सहमति से विवादों का समाधान हो सके। इसके अतिरिक्त राजस्व संबंधी विवाद, नामांतरण, सीमांकन एवं अन्य मामलों को चिन्हित कर लोक अदालत में सूचीबद्ध करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में मध्यस्थता एवं सुलह-समझौते के माध्यम से लघु प्रकृति के वादों के अधिक से अधिक निस्तारण पर बल दिया गया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे अधिक से अधिक पक्षकारों को लोक अदालत में उपस्थित होने के लिए प्रेरित करें।
इस अवसर पर प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, संभल (चंदौसी) दीपक कुमार जायसवाल, सिटी मजिस्ट्रेट संभल सुधीर कुमार, परिवहन विभाग से पीटीओ योगेंद्र यादव, तहसीलदार चंदौसी रवि सोनकर, तहसीलदार संभल धीरेन्द्र सिंह, तहसीलदार गुन्नौर रविंद्र विक्रम, नायब तहसीलदार चंदौसी रजत कुमार, नायब तहसीलदार संभल दीपक जुरैल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।
बैठक की जानकारी नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत/अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश संभल, चंदौसी अवधेश कुमार सिंह द्वारा दी गई।

सैनिक बंधु बैठक में उठीं समस्याएं, अधिकारियों ने दिए समाधान के निर्देश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के कलेक्ट्रेट सभागार बहजोई में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) प्रदीप वर्मा की अध्यक्षता में सैनिक कल्याण से संबंधित सैनिक बंधु की बैठक आयोजित की गई।
बैठक में सैनिक बंधुओं ने अपनी विभिन्न समस्याएं एवं प्रमुख मुद्दे अपर जिलाधिकारी के समक्ष रखे। इनमें असमोली शुगर मिल चौराहे के पास यात्री शेड निर्माण, भूमि संबंधी प्रकरण, विकासखंड असमोली के ग्राम कल्याणपुर में हैंडपंप एवं पेयजल कनेक्शन की व्यवस्था तथा पक्की ठियावंदी जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। अपर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को इन समस्याओं के समाधान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।
इसके अतिरिक्त बैठक में पूर्व सैनिकों के शस्त्र लाइसेंस से जुड़े मामलों तथा किसान इंटर कॉलेज असमोली में रिक्त प्रबंधक पद के संबंध में भी विचार-विमर्श किया गया, जिस पर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।
इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी राम आशीष, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमांडर संदीप कुमार चड्ढा, अखिल भारतीय पूर्व सैनिक परिषद सम्भल के जिलाध्यक्ष हरप्रसाद यादव, कोषाध्यक्ष हरी शंकर, जिला उपाध्यक्ष गौरव, मीडिया प्रभारी सोमवीर सहित परिषद के अन्य सदस्य एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

जनपद संभल ने क्रॉप कटिंग प्रयोगों में प्रदेश में पाया प्रथम स्थान

संभल(सब का सपना):- भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश शासन के निदेर्शानुसार फसलों की उत्पादकता के सटीक आकलन हेतु सीसीई एग्री ऐप के माध्यम से कराए जा रहे क्रॉप कटिंग प्रयोगों में जनपद संभल ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। रबी सीजन 2025-26 में जनपद को सौंपे गए सभी क्रॉप कटिंग प्रयोगों को शत-प्रतिशत पूर्ण कर प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है।
जानकारी के अनुसार, जनपद में कुल 4312 क्रॉप कटिंग प्रयोग निर्धारित किए गए थे, जिनमें गेहूं के 2680, सरसों के 1040 एवं आलू के 592 प्रयोग शामिल थे। जिला प्रशासन के प्रभावी निर्देशन, सतत निगरानी एवं राजस्व विभाग के कर्मियों के समर्पित प्रयासों से 20 अप्रैल 2026 तक सभी प्रयोग सीसीई एग्री ऐप के माध्यम से सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिए गए।
इस प्रक्रिया से न केवल आंकड़ों की पारदर्शिता एवं शुद्धता सुनिश्चित होती है, बल्कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसानों को मिलने वाली क्षतिपूर्ति का निर्धारण भी वैज्ञानिक एवं विश्वसनीय आधार पर किया जाता है।
जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) प्रदीप वर्मा ने इस उत्कृष्ट कार्य के लिए समस्त लेखपालों, राजस्व निरीक्षकों एवं संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों की सराहना करते हुए बधाई दी है। उन्होंने कहा कि तकनीक आधारित कार्य प्रणाली से कार्यों में पारदर्शिता बढ़ती है और शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित होता है। जिला प्रशासन ने सभी राजस्व अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपेक्षा की है कि भविष्य में भी तकनीकी नवाचारों का अधिकतम उपयोग करते हुए किसानों के हितों की सुरक्षा एवं योजनाओं का गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

हाईवे पर ट्रक की टक्कर से महिला की मौत, पति घायल,शव पोस्टमार्टम को भेजा

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना धनारी क्षेत्र में आगरा-मुरादाबाद हाईवे पर सोमवार शाम दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान संजना (28) पत्नी जितेंद्र निवासी ग्राम घरेरा, थाना अनूपशहर, जनपद बुलंदशहर के रूप में हुई है।
जानकारी के अनुसार, संजना अपने पति जितेंद्र के साथ मोटरसाइकिल से आंवला से अपने गांव वापस लौट रही थी। इसी दौरान थाना धनारी क्षेत्र में हाईवे पर एक ट्रक से उनकी बाइक टकरा गई। हादसे में संजना गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पर पहुंची 108 एम्बुलेंस द्वारा उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बहजोई लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।
घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

महिलाओं ने बढ़ाया स्वावलंबन की ओर कदम, जूट बैग निर्माण से बन रहीं आत्मनिर्भर

संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन में जनपद में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों को स्वरोजगार से जोड़कर महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। समूहों से जुड़ी महिलाएं छोटे-छोटे रोजगार अपनाकर न केवल अपने परिवार की आय बढ़ा रही हैं, बल्कि देश को वर्ष 2047 तक विकसित बनाने के लक्ष्य में भी योगदान दे रही हैं।
इसी क्रम में विकासखंड बनियाखेड़ा के ग्राम तारापुर, ग्राम पंचायत पथरा में जयवन्ती के नेतृत्व में संचालित जय भीम स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा जूट के बैग तैयार किए जा रहे हैं। यह पहल न केवल रोजगार का सशक्त माध्यम बन रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।
जिलाधिकारी ने जनपद के सभी विभागों से अपील की है कि आगामी कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं बैठकों में वितरण के लिए इन स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित जूट बैग को प्राथमिकता दी जाए। इससे समूह की महिलाओं की आय में वृद्धि होगी और प्लास्टिक पॉलिथीन के स्थान पर जूट बैग के उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा।
जिला विकास अधिकारी एवं उपायुक्त एनआरएलएम राम आशीष ने बताया कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं और अपने परिवार के साथ-साथ बच्चों के भविष्य को भी संवार रही हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहलें महिलाओं के सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण हैं।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं को किया गया जागरूक

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा व स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के अंतर्गत सोमवार को जनपद संभल में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन तथा नोडल अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह और क्षेत्राधिकारी चंदौसी/सहायक नोडल अधिकारी दीपक कुमार के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम की महिला पुलिसकर्मियों ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में चौपाल लगाकर बालिकाओं व महिलाओं को जागरूक किया। इस दौरान महिला संबंधित समस्याओं के समाधान और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम के तहत एंटी रोमियो टीम ने भी सक्रिय भूमिका निभाते हुए प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों और धार्मिक स्थलों पर अभियान चलाया। महिला पुलिसकर्मियों ने पंपलेट वितरित कर महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, सीएम हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108, महिला हेल्पलाइन 181 एवं साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 जैसे महत्वपूर्ण नंबरों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए मोबाइल पर पैनिक बटन व इमरजेंसी कॉल का डेमो भी दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक कर उन्हें आत्मनिर्भर व सुरक्षित बनाने का प्रयास लगातार जारी है।

भीषण सड़क हादसा,कार में लगी आग, दो की मौत, तीन झुलसे

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- जनपद में आगरा-मुरादाबाद हाईवे पर सोमवार शाम एक भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। हादसा थाना बनियाठेर क्षेत्र के गांव आटा के पास हुआ।
प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक तेज रफ्तार कार बाइक सवार को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में तुरंत आग लग गई और देखते ही देखते वह आग के गोले में बदल गई।
इस दर्दनाक हादसे में कार चालक और बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार में सवार तीन अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों को तत्काल उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।
घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। दमकल कर्मियों ने करीब 25 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस ने दोनों मृतकों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल रहा।

अरु यादव ने मिशन शक्ति बाल उत्सव में राज्य स्तर पर बढ़ाया विद्यालय का मान

बुलंदशहर (सब का सपना):- यूपीएस मनोवास गुलावठी की कक्षा 8 की छात्रा अरु यादव को निकुंज हॉल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बेसिक शिक्षा सचिव, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष दीप्ति मित्तल, डायट प्राचार्य, बीएसए एवं डीआईओएस द्वारा सम्मानित किया गया। अरु यादव ने मिशन शक्ति मीना मंच कार्यक्रम ह्लप्रगति, स्वाभिमान और सफलता की ओर 2.0 बाल उत्सवह्व में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिला स्तर से लेकर मंडल स्तर तक सफलता प्राप्त की और अंततः राज्य स्तर पर प्रतिभाग किया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम 8 मार्च को आयोजित हुआ था, जिसमें अरु ने अपने विद्यालय का प्रतिनिधित्व कर गौरव बढ़ाया।
विद्यालय स्तर पर चयनित चार छात्राओं में से आरुषि और अरु ने मंडल स्तर तक अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसमें से अरु यादव राज्य स्तर तक पहुंचने में सफल रहीं। यह उपलब्धि विद्यालय के लिए गर्व का विषय है। विद्यालय परिवार ने सभी से छात्रा को आशीर्वाद देने की अपील करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

किसानों ने कृषि भूमि बचाने की मांग करते हुए कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन

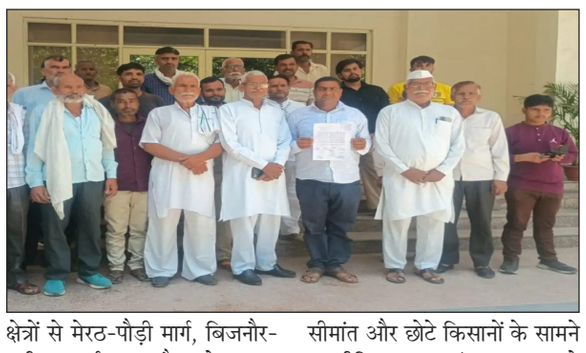

बिजनौर (सब का सपना):- सोमवार को जिला मुख्यालय पर किसानों का गुस्सा खुलकर सामने आया, जब दर्जनों किसान कलेक्ट्रेट पहुंचे और गंगा एक्सप्रेस-वे के प्रस्तावित मार्ग के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। किसानों ने मुख्यमंत्री के नाम प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि एक्सप्रेस-वे को उसी रूट से निकाला जाए, जिसकी पहले घोषणा की गई थी, न कि नए प्रस्तावित मार्ग से।

प्रदर्शन कर रहे किसानों का कहना था कि बिजनौर तहसील के कई गांव पेदा, मिजार्पुर पूरन, नौआबाद, इस्माईलपुर की नंगली, चौकपुरी, नसीरी, कच्छपुरा, नयागांव, अलीपुर माखन और गजरौला अचपल–पहले ही कई बड़े मार्गों से प्रभावित हैं। इन क्षेत्रों से मेरठ-पौड़ी मार्ग, बिजनौर-नगीना बाईपास और गोरखपुर-शामली मार्ग गुजर रहे हैं, जिससे खेती योग्य जमीन लगातार कम होती जा रही है।

किसानों ने आरोप लगाया कि अब प्रस्तावित गंगा एक्सप्रेस-वे को भी इन्हीं गांवों की उपजाऊ कृषि भूमि से निकालने की योजना है, जिससे सीमांत और छोटे किसानों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो जाएगा। उनका कहना है कि यदि यह मार्ग लागू होता है तो कई किसान भूमिहीन हो सकते हैं, जिससे सामाजिक और आर्थिक स्थिति पर गहरा असर पड़ेगा।

किसानों ने प्रशासन को वैकल्पिक सुझाव भी दिया। उनका कहना है कि गंगा एक्सप्रेस-वे को गंगा नदी के किनारे से निकाला जाए, जहां बड़ी मात्रा में सरकारी भूमि उपलब्ध है। इस मार्ग से दारानगर गंज, जहानाबाद, बालावाली और नांगल सोती होते हुए हरिद्वार तक सड़क को जोड़ा जा सकता है। इससे सरकार को जमीन अधिग्रहण पर होने वाले खर्च से राहत मिलेगी और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के किसानों को भी फायदा होगा।

किसानों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द विचार नहीं किया गया तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होंगे। प्रदर्शन में सत्यपाल, योगेंद्र सिंह, संजय कुमार, अवनीश कुमार, गुलशेर और राजेंद्र सिंह सहित कई किसान मौजूद रहे।

बाग में पेड़ से लटका मिला युवक का शव, परिवार में मचा कोहराम

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के रेहड़ कस्बे में सोमवार को एक युवक का शव घर से कुछ दूरी पर बाग में पेड़ से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

मृतक की पहचान 22 वर्षीय बंटी कुमार पाल पुत्र धर्मपाल सिंह निवासी रेहड़ के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि युवक सुबह घर से पासपोर्ट से जुड़े काम के सिलसिले में बरेली जाने की बात कहकर निकला था, लेकिन दोपहर में उसका शव गांव के पास एक बाग में आम के पेड़ पर लटका मिला। सबसे पहले एक स्थानीय व्यक्ति की नजर शव पर पड़ी, जिसके बाद परिजनों और पुलिस को सूचना दी गई।

घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मां का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों के अनुसार, बंटी अपने परिवार में सबसे छोटा था और घर की जिम्मेदारियों में हाथ बंटाता था।

पिता का इलाज ऋषिकेश के अस्पताल में चल रहा है, जहां बड़ा बेटा मौजूद है।

मौके पर पहुंची जांच टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

छत काटकर दुकान में चोरी, नकदी व सामान ले उड़े चोर, जांच में जुटी पुलिस

बिजनौर (सब का सपना):- नजीबाबाद के चौक बाजार स्थित हरिओम वैरायटी स्टोर में बीती रात चोरी की घटना सामने आई है, जिससे व्यापारियों में चिंता का माहौल है। अज्ञात चोरों ने दुकान की छत के रास्ते अंदर घुसकर वारदात को अंजाम दिया और नकदी सहित अन्य सामान लेकर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार 19 और 20 अप्रैल की रात चोरों ने दुकान के ऊपर चढ़कर जीने की लोहे की जाली काटी और अंदर प्रवेश किया। सुबह करीब दस बजे दुकान मालिक हरिओम और शुभम अग्रवाल जब रोज की तरह दुकान खोलने पहुंचे तो अंदर का नजारा देखकर सन्न रह गए। दुकान का सामान बिखरा पड़ा था और गल्ले में रखी बिक्री की नकदी के साथ शादी में इस्तेमाल होने वाले नोट भी गायब मिले। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। क्षेत्राधिकारी अंजनी कुमार चतुर्वेदी, थाना प्रभारी अमित कुमार तथा चौकी प्रभारी विनोद कुमार पांडे समेत अन्य पुलिसकर्मियों ने मौके का निरीक्षण किया।

पुलिस ने दुकान में लगे कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है और छत पर जाकर भी साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना की जानकारी मिलते ही जांच शुरू कर दी गई है। दुकान मालिक से लिखित शिकायत मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी और जल्द ही घटना का खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है।

इस घटना के बाद बाजार के अन्य व्यापारियों में भी चिंता बढ़ गई है और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

हरे पेड़ों को सुखाकर जमीन पर कब्जे की साजिश? जैन फार्म का मामला चर्चा में

बिजनौर (सब का सपना):- जिले में भूमाफियाओं की सक्रियता को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। नजीबाबाद रोड स्थित जैन फार्म में बड़ी संख्या में हरे-भरे आम के पेड़ों के अचानक सूखने की घटना ने शहरवासियों और पर्यावरण प्रेमियों को चिंतित कर दिया है। बताया जा रहा है कि यहां करीब डेढ़ सौ फलदार पेड़ कुछ ही दिनों में सूख गए, जिसे लोग सामान्य घटना मानने को तैयार नहीं हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह पूरा मामला सुनियोजित साजिश का हिस्सा हो सकता है। उनका कहना है कि बेशकीमती जमीन पर कब्जा करने और व्यावसायिक उपयोग के लिए पेड़ों को पहले सुखाया जा रहा है, ताकि बाद में उन्हें काटने की अनुमति आसानी से मिल सके। क्षेत्रवासियों के मुताबिक, पेड़ों के सूखने के पीछे मानवीय हस्तक्षेप की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। पर्यावरण से जुड़े लोगों का कहना है कि इस तरह हरे-भरे और फलदार पेड़ों का नष्ट होना न केवल प्राकृतिक संतुलन को बिगाड़ेगा, बल्कि शहर की हरियाली पर भी गंभीर असर डालेगा। बिजनौर पहले से ही अपने बागों के लिए जाना जाता है, ऐसे में इस प्रकार की घटनाएं भविष्य के लिए खतरे का संकेत मानी जा रही हैं।

गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षों में भी इस तरह के मामले सामने आए हैं, जहां पेड़ों को सुखाकर संबंधित विभागों से उन्हें अनुपयोगी घोषित करवा लिया गया और बाद में कटान की अनुमति लेकर जमीन का व्यावसायिक उपयोग किया गया। इस पूरे घटनाक्रम में संबंधित विभागों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं।

फिलहाल इस मामले में प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

स्योहारा में स्कूलों में शुरू हुआ टीडी/डिप्थीरिया टीकाकरण अभियान, बच्चों को मिलेगी गंभीर बीमारियों से सुरक्षा

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- नियमित टीकाकरण अभियान के अंतर्गत स्योहारा क्षेत्र में 20 अप्रैल से स्कूलों में टीडी (टिटनेस-डिप्थीरिया) टीकाकरण कार्यक्रम की शुरूआत हो गई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) स्योहारा के अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही ने शहर के विभिन्न विद्यालयों में कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

अभियान की शुरूआत एम.एम. स्कूल, मेरी जेसिस स्कूल, आर.एस.पी.एम. स्कूल और एम.क्यू. इंटर कॉलेज सहित अन्य सरकारी एवं निजी विद्यालयों में की गई। पहले दिन कुल 15 सत्र आयोजित किए गए, जिनमें बड़ी संख्या में बच्चों का टीकाकरण किया गया। 5, 10 और 16 वर्ष के बच्चों को लगाया जाएगा टीका

डॉ. स्नेही ने बताया कि इस अभियान के तहत 5 वर्ष, 10 वर्ष और 16 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को टीडी और डिप्थीरिया का टीका लगाया जाएगा। यह अभियान 20 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक चलेगा। बुधवार और शनिवार को नियमित टीकाकरण दिवस होने के कारण इन दिनों स्कूलों में यह अभियान नहीं चलेगा।स्वास्थ्य विभाग के अनुसार टीडी टीकाकरण टिटनेस और डिप्थीरिया जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारियों से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। डॉ. स्नेही ने बताया कि यह टीका पूरी तरह सुरक्षित है और इसके दुष्प्रभाव सामान्यतः हल्के व अस्थायी होते हैं, जैसे हल्का दर्द या सूजन। उन्होंने क्षेत्र के अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों का समय पर टीकाकरण अवश्य कराएं, क्योंकि इन बीमारियों से बचाव का एकमात्र उपाय वैक्सीन ही है।

इस अवसर पर हेल्थ सुपरवाइजर राजेश कुमार, वीर सिंह, एनएमए शीशराम, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. मीनाक्षी सिसोदिया, एआरओ आलोक कुमार, डीईओ अनम, राशि, एएनएम, आशा व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम उपस्थित रही। यह अभियान न केवल बच्चों के स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि समाज को जागरूक करने का भी माध्यम बन रहा है।

स्मार्ट मीटर और खनन की शिकायत को लेकर किसानों ने जिलाधिकारी को सोपा ज्ञापन

बिजनौर (सब का सपना):- सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति की मासिक पंचायत आयोजित हुई, जिसमें जिलेभर से पहुंचे किसानों ने अपनी समस्याओं को लेकर जोरदार आवाज उठाई। पंचायत के बाद किसानों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर विभिन्न मुद्दों पर शीघ्र समाधान की मांग की।

जिलाध्यक्ष चौधरी वीर सिंह सहरावत के नेतृत्व में आयोजित इस पंचायत में किसानों ने स्मार्ट मीटर व्यवस्था, अवैध खनन और प्रदूषण जैसे मुद्दों पर गहरी चिंता जताई। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि जिले में कई फैक्ट्रियों से निकलने वाला दूषित जल और धुआं लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बनता जा रहा है, जिससे गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। इस पर रोक लगाने के लिए सख्त कार्रवाई की मांग की गई।

किसानों ने विद्युत विभाग पर भी निशाना साधते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर के नाम पर उपभोक्ताओं को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि किसानों के घरों और नलकूपों पर स्मार्ट मीटर न लगाए जाएं। वहीं सुंदरवाली क्षेत्र में चल रहे अवैध खनन को लेकर भी प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए गए।

पंचायत में गन्ना भुगतान, सहकारी समितियों की ब्याज दर, कर्जमाफी और वृद्ध किसानों के लिए पेंशन जैसी मांगें भी प्रमुख रूप से उठाई गईं। किसानों ने कहा कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो बड़े स्तर पर आंदोलन शुरू किया जाएगा। ज्ञापन प्राप्त करने के बाद जिलाधिकारी जसजीत कौर ने जनपद स्तर की समस्याओं के शीघ्र निस्तारण और अन्य मांगों को शासन तक पहुंचाने का आश्वासन दिया।

इस दौरान पदम सिंह, सतबीर सिंह, देवेंद्र प्रधान, शेर सिंह, योगेंद्र सिंह, नरेश कुमार सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

चांदपुर में भड़काऊ भाषण पर सख्ती, 5 नामजद समेत 15-20 अज्ञात पर FIR

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के चांदपुर क्षेत्र में भड़काऊ भाषण देने और माहौल बिगाड़ने के आरोप में पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए 5 नामजद समेत 15-20 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। यह कार्रवाई 22 मार्च की घटना को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिशों के बाद की गई है।

जानकारी के अनुसार, स्कूटी और बाइक की टक्कर में घायल हुए प्रशांत की उपचार के दौरान मौत हो गई थी। इस मामले में पलक के परिजनों पर मारपीट का आरोप लगाते हुए पहले ही मुकदमा दर्ज किया जा चुका है, जिसमें पुलिस द्वारा 5 आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है।

पुलिस के अनुसार, कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा इस घटना को सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों के जरिए भड़काऊ तरीके से प्रस्तुत कर माहौल खराब करने की कोशिश की जा रही थी। इसी को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने नई एफआईआर दर्ज की है।

इस मामले में नामजद आरोपियों में सोनू मूंछ सैनी, जोगेंद्र सैनी और जतिन सैनी सहित अन्य शामिल हैं। पुलिस अन्य अज्ञात आरोपियों की पहचान कर रही है और उनकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्कता बढ़ा दी गई है। प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर फैल रही अपुष्ट सूचनाओं से बचें और शांति व सौहार्द बनाए रखने में सहयोग सहयोग करें।

सीमावर्ती गांवों में हर घर तक पानी पहुंचाने के जिलाधिकारी ने दिए निर्देश, लापरवाही पर सख्ती की चेतावनी

बिजनौर (सब का सपना):- कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी जसजीत कौर ने सीमावर्ती गांवों में पाइप से पेयजल आपूर्ति को प्राथमिकता देते हुए हर घर तक जल कनेक्शन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जल निगम ग्रामीण के अधिकारी और संबंधित विभागों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि सीमावर्ती गांवों में पेयजल की समस्या गंभीर है, इसलिए प्राथमिकता के आधार पर पानी की टंकियों का निर्माण कराया जाए और घर-घर जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिशासी अभियंता और कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि स्वच्छ पेयजल मिशन के तहत गांवों के साथ-साथ स्कूल, पंचायत भवन, बारात घर और धार्मिक स्थलों तक भी जल कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएं।

उन्होंने कहा कि कई गांवों में मानक के अनुरूप जल स्रोत उपलब्ध नहीं हैं,

जिससे ग्रामीणों को हैंडपंप तक लगवाने में कठिनाई हो रही है। ऐसे में पाइप लाइन के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराना बेहद आवश्यक है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि इस महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर भी जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि टंकी निर्माण या पाइप लाइन बिछाने के दौरान जिन सड़कों की खुदाई की जा रही है, उनकी मरम्मत समयबद्ध और गुणवत्ता के साथ कराई जाए, ताकि ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी न हो। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कोई भी सीमावर्ती गांव इस योजना से वंचित न रहे और कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए, ताकि ग्रामीणों को जल्द से जल्द राहत मिल सके।

दीतानपुर में जमीनी विवाद से बढ़ा तनाव, रुकवाया गया निर्माण

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र के गांव दीतानपुर में एक जमीन को लेकर विवाद ने पूरे गांव का माहौल तनावपूर्ण बना दिया। मामूली जमीन का विवाद दो पक्षों के बीच टकराव में बदल गया, जिससे गांव में हंगामे की स्थिति पैदा हो गई।

जानकारी के अनुसार, एक पक्ष विवादित भूमि पर अपना हक जताते हुए निर्माण कार्य करा रहा था। वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि यह जमीन सिंचाई विभाग की नाली की है और इस पर किसी भी प्रकार का निर्माण अवैध है। इसी बात को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और तनाव बढ़ गया।

ग्रामीणों का आरोप है कि इससे पहले भी कई बार इस स्थान पर निर्माण का प्रयास किया गया, जिसकी शिकायत प्रशासन से की गई थी, लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया।

मामले की सूचना मिलने पर हल्का लेखपाल तेजपाल सिंह और ग्राम प्रधान मौके पर पहुंचे। बड़ी संख्या में ग्रामीण भी वहां एकत्र हो गए। स्थिति को देखते हुए लेखपाल ने मौके पर चल रहे निर्माण कार्य को रुकवाते हुए ग्रामीणों की मदद से उसे हटवा दिया।

इस दौरान मौके पर हंगामा और अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। आरोप है कि निर्माण करा रहा पक्ष ग्रामीणों को धमकाता भी नजर आया, जिससे लोगों में भय का माहौल है। विवाद बढ़ने पर ग्रामीण एकत्र होकर क्षेत्राधिकारी (सीओ) के पास पहुंचे और लिखित प्रार्थना पत्र देकर निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। सीओ ने मामले में उचित जांच और कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

फिलहाल गांव में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और प्रशासन की अगली कार्रवाई का इंतजार किया जा रहा है।

महालिंगपुरम में स्थित श्री द्वादश महालिंगेश्वर सिद्ध महापीठ पर अष्टम वार्षिक महोत्सव मनाया

बुलंदशहर (सब का सपना):- अक्षय तृतीया के दिन महालिंगपुरम में स्थित श्री द्वादश महालिंगेश्वर सिद्ध महापीठ पर अष्टम वार्षिक महोत्सव मनाया गया। साल 2018 में ग्राम गंगेरूवा के महालिंगपुरम में श्री द्वादश महालिंगेश्वर सिद्ध महापीठ पर बाबा महालिंगेश्वर की प्राण प्रतिष्ठा मेदिनी ज्योतिषी का द्वारा की गई थी, बाबा महालिंगेश्वर के साथ-साथ बारह ज्योतिर्लिंगों की भी प्राण प्रतिष्ठा यहां की गई है। अक्षय तृतीया के दिन श्री द्वादश महालिंगेश्वर सिद्ध महापीठ पर वार्षिक उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया, हजारों की संख्या में श्रद्धालु और धर्म पुष्प परिवार के सदस्य सिद्ध महापीठ पर वार्षिक उत्सव मनाने के लिए इकट्ठा हुए, सबसे पहले परमशिव भक्त आचार्य मनजीत

धर्मध्वज जी के सानिध्य में भगवान महालिंगेश्वर बाबा का महाअभिषेक आरंभ किया गया। महाअभिषेक से पहले महापीठ के पुजारीयों ने सर्वप्रथम शुद्धिकरण, आचमन, प्राणायाम, शांति पाठ और गणेश वंदना के बाद अंबिका पूजन, दसों दिशाओं का पूजन समेत भूमि पूजन किया गया। इसके बाद सिद्ध महापीठ के प्रधान देव महालिंगेश्वर बाबा का ध्यान और पूजन करने के बाद पंचामृत से अभिषेक किया गया, अभिषेक के बाद बाबा महालिंगेश्वर का श्रृंगार कर उन्हें पंचमेवा समेत पकवान का भोग लगाया गया, भोग लगाने के साथ ही बाबा महालिंगेश्वर की महा आरती की गई, महालिंगेश्वर आरती के समय सिकंदराबाद विधायक भी महालिंग का आशीर्वाद लेने सिद्ध महापीठ पहुंचे, विधायक ने सभी भक्तों को अक्षय तृतीया पर्व की शुभकामनायें दी, सिद्ध महापीठ पर ईष्ट दीक्षा केंद्र में प्रतिष्ठित सभी देवी देवताओं का भी ध्यान पूजन किया गया। इसके बाद धर्म पुष्प परिवार के सदस्यों समेत सिद्ध महापीठ पहुंचे सभी भक्तों ने गुरु जी के करकमलों से प्रसाद ग्रहण किया और साथ ही बाबा का पकवान महाप्रसाद भी पाया इसके बाद शाम को 6:30 बजे बाबा की सायं कालीन आरती की गई, इस दौरान सिद्ध महापीठ पर धर्मपुष्प परिवार के अध्यक्ष धर्मपाल सिंह समेत कुंवर पाल, संजू पंडित , शीलू ठाकुर, मनीष समेत अन्य सेवादार मौजूद रहे।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर दुग्धाभिषेक, जलाभिषेक किया, ब्राह्मण एकता सभा के युवा जिला अध्यक्ष सचिन वशिष्ठ

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर ब्राह्मण एकता सभा द्वारा परशुराम चौक, शिकारपुर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर युवा जिला अध्यक्ष सचिन वशिष्ठ खैरपुर एवं उनके साथियों द्वारा भगवान परशुराम जी का विधि-विधान से दुग्धाभिषेक एवं जलाभिषेक किया गया। साथ ही चौक की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया तथा भगवान परशुराम जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा व्यक्त की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए युवा जिला अध्यक्ष सचिन वशिष्ठ खैरपुर ने कहा कि आज ब्राह्मणों को एकता

दिखाने का समय आ गया है वर्तमान समय में राजनीतिक दलों द्वारा ब्राह्मण समाज की अनदेखी की जा रही है, जिसका प्रभाव आने वाले चुनावों में अवश्य देखने को मिलेगा। उन्होंने समाज से एकजुट होकर उन ताकतों का मुकाबला करने का आह्वान किया जो समाज में विभाजन फैलाने का कार्य कर रही हैं।

जिला संगठन मंत्री अभिषेक पंडित बजरंगी एवं एडवोकेट दीपांशु शर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि अब समय आ गया है कि ब्राह्मण समाज संगठित होकर अपने अधिकारों एवं सम्मान के लिए आगे आए और समाज के उत्थान के लिए मिलकर संघर्ष करे। ब्राह्मण समिति गांव सेहतपुर वैरी के युवाओं ने सचिन वशिष्ठ खैरपुर को भगवान परशुराम जी की तस्वीर भेंट की इस अवसर पर प्रमुख रूप से युवा जिला अध्यक्ष सचिन वशिष्ठ खैरपुर, अभिषेक पंडित बजरंगी, एडवोकेट दीपांशु शर्मा, शिवा दीवान, लव सलेमपुर, विशाल पंडित, सिद्धार्थ शर्मा, विवेक , करन , शिवम , नितिन, प्रिंस, राहुल शर्मा, मनीष शर्मा, कुनाल जोशी सहित अन्य गणमान्य कार्यकर्ता एवं सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण कर व सामूहिक संकल्प के साथ हुआ, जिसमें समाज की एकता एवं प्रगति के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया गया।

नौनिहालों की जिंदगी से खेलता, कस्बे का कचरे का ढेर

बीबीनगर/बुलंदशहर (सब का सपना):- कस्बा केशोपुर सठला जो कि क्षेत्र में अपनी अलग प्रतिष्ठा रखता है जिसमें इंटर कॉलेज, बैंक, कॉपरेटिव सोसाइटी, बीएसए कार्यालय, 10 पौराणिक मंदिर, 3 बेसिक पाठशालाएं, डाकघर जैसी मूलभूत सुविधाएं हैं। कस्बा अपनी इन मूलभूत सुविधाओं के साथ अपनी बदहाली पर आसूं बहाता दिखता है पूर्व में भी कस्बा निवासियों द्वारा गंदगी को लेकर शासन प्रशासन को अवगत कराया गया परंतु कोई कार्यवाही नहीं होती दिखी यहां तक कि विगत कई वर्षों से सफाई की व्यवस्था तक नहीं कराई गई। कस्बे में कूड़ा निस्तारण केंद्र कन्या पाठशाला नंबर 2 से महज 50 मीटर

की दूरी पर है परंतु जिस दिन से वो बना है उसी दिन से ताला लगा हुआ है। उसका असर ये हुआ कि कस्बे से बेनीपुर मार्ग पूर्ण रूप से अवरुद्ध सा हो गया और मार्ग से पाठशाला नंबर 2 तक कई मीटर ऊंचे और 50 मीटर लंबे ढेर लगे हुए है जिसके आसपास दर्जनों कुत्ते लड़ते दिखाई दिख जाते है। कूढ़े के ढेर में आग भी लग जाती है साथ ही कन्यापाठशाला से सटा हुआ ट्रांसफार्मर जिसमें आग से कभी भी ब्लास्ट होने की संभावना बनी रहती है। जैसा कि आज हुआ नन्हें मुन्ने बच्चे तो दूर, गंदगी के ढेर में आग लगने से अध्यापकों को भी सांस लेना दूभर हो गया फलस्वरूप स्कूल की छुट्टी भी करनी पड़ी एक बच्चे को तो डॉक्टर को भी दिखाना पड़ा इसके साथ ही पूरे मुहल्ले के निवासियों का भी सांस लेना दूभर हो गया।

इस विषय पर ब्लॉक के अधिकारीगण, तहसील प्रशासन और जिलाधिकारी को भी शिकायत करने हेतु सप्ताह के अंदर एक टीम का गठन होना सुनिश्चित हुआ है। कस्बा निवासियों के अनुसार यदि माननीय मुख्यमंत्री से भी मिलना पड़ा तो पीछे नहीं हटेंगे। कस्बा निवासियों ने सभी अधिकारियों से अपील की है कि संबंधित पर कार्यवाही कर इस समस्या से मुक्ति यथाशीघ्र दिलाई जाए।

बरहाना में बडे धूमधाम से मनाई गई परशुराम जयंती

स्याना/बुलंदशहर (सब का सपना):- बुगरासी गांव मे पुराने शिव मन्दिर पर बनी परशुराम जी की प्रतिमा के पास पूर्व मंत्री राकेश त्यागी उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने सहयोगियों के साथ विधि विधान से पूजा अर्चना कर जयंती की शोभायात्रा का शुभारंभ किया। शोभायात्रा परशुराम जी की प्रतिमा से शुरू होकर हनुमान मंदिर से खोका बस स्टैंड से पत्रकार यतेन्द्र त्यागी के आवास से देवी मंदिर से बडा शिव मन्दिर से गुसाई यों वाली गली से ईश्वर त्यागी के आवास से गुसाईयो वाला चौक से परशुराम जी की प्रतिमा पर समापन किया गया। शोभायात्रा में झांकियों और बैड बाजों ने दर्शकों का मन मोह लिया।जगह जगह शोभायात्रा पर महिलाओं व बच्चों द्वारा पुष्प वर्षा भी की गई। बताते चलें कि परशुराम जी का जन्म ऋषि जमदग्नि ऋषि और माता रेणुका के घर हुआ था। उनका जन्म स्थान आमतौर पर रेणुका तीर्थ या माहुर

माना जाता है। (विभिन्न मान्यताओं के अनुसार अलग-अलग स्थान बताए जाते हैं), उस समय पृथ्वी पर क्षत्रिय राजाओं का अत्याचार बहुत बढ़ गया था। विशेष रूप से कार्तवीर्य अर्जुन नामक राजा अत्याचारी था। तब भगवान विष्णु ने परशुराम के रूप में जन्म लिया ताकि अधर्म का नाश किया जा सका।

उनका नाम "परशुराम" इसलिए पड़ा क्योंकि वे हमेशा अपने हाथ में परशु (कुल्हाड़ी) रखते थे। यह परशु उन्हें भगवान शिव से प्राप्त हुआ था। कार्तवीर्य अर्जुन ने उनके पिता जमदग्नि की हत्या कर दी थी।

इससे क्रोधित होकर परशुराम ने पृथ्वी को 21 बार क्षत्रियों से मुक्त किया था। वे एक महान योद्धा और ब्राह्मण दोनों थे इसलिए उन्हें "ब्राह्मण-योद्धा" कहा जाता है।

परशुराम जी को चिरंजीवी (अमर) माना जाता है, यानी वे आज भी जीवित है। सुरक्षा के मद्देनजर एसओ नरसेना रामकिशोर गौतम चौकी प्रभारी बुगरासी नीटू मलिक पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। सहयोग करने वाले राहुल त्यागी मुकुल त्यागी विक्रांत त्यागी अभिषेक त्यागी शेखर त्यागी मोहित त्यागी अंकित त्यागी अमित फौजी कपिल फौजी दीपक त्यागी फौजी हैप्पी त्यागी निखिल त्यागी यथार्थ त्यागी अक्षय त्यागी विवेक त्यागी वाई के त्यागी ललित चौहान सौरभ गोस्वामी सहित सभी गांव वासियों का सहयोग रहा।

कुमार हर्ष (आई.ए. एस.) जिला बुलन्दशहर के नये डीएम

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जिले को नया जिलाधिकारी मिल गया है। वर्ष 2016 बैच के आईएएस अधिकारी कुमार हर्ष ने सोमवार को डीएम पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया। वह सुल्तानपुर से स्थानांतरित होकर यहां पहुंचे हैं।

बिहार के दरभंगा निवासी कुमार हर्ष ने यूपीएससी परीक्षा में 43वीं रैंक हासिल कर प्रशासनिक सेवा में प्रवेश किया था। उन्होंने Delhi

Technological University (DTU) से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है।

अपने प्रशासनिक करियर में वह मुख्यमंत्री के विशेष सचिव रह चुके हैं तथा मऊ, बलरामपुर, चंदौली और श्रावस्ती में मुख्य विकास अधिकारी (CDO) के पद पर कार्य कर चुके हैं। सुल्तानपुर में डीएम के रूप में उनकी कार्यशैली को काफी सराहना मिली।

जिले में उनकी तैनाती से प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार और विकास कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

यमुनानगर में सीआईए-2 की बड़ी कामयाबी, विदेश से गैंग चला रहे 'बाबू गिरोह' का गुर्गा गिरफ्तार

यमुनानगर। सीआइए टू की टीम ने थाना छप्पर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए विदेश से गैंग चला रहे दलजीत उर्फ बाबू के गुर्गे को कट्टा व कारतूस सहित गिरफ्तार किया है। आरोपित गांव बाल छप्पर निवासी मनोज कुमार उर्फ अंकित से आइफोन भी बरामद किया गया। उसके विरुद्ध थाना छप्पर में गिरोह बंदी, आर्म्स एक्ट सहित अन्य धारा में केस दर्ज किया गया है। सीआइए टू प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि मनोज कुमार किसी वारदात की फिराक में है। वह दलबीर उर्फ बाबू के गिरोह का सक्रिय सदस्य है। उसके इशारे पर वारदात करता है। जिसके बाद उसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। तलाशी में उसके पास से कट्टा बरामद हुआ। आरोपित को सोमवार को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

5 मिनट से पहले मदद के लिए पहुंचेगी चंडीगढ़ पुलिस, आज से ही शुरूआत, उठाया गया है यह बड़ा कदम

चंडीगढ़। यूटी की आधुनिक और स्मार्ट मानी जाने वाली पुलिस का क्विक रिस्पॉन्स टाइम (क्यूआरटी) अब और बेहतर होगा। यह सब संभव होगा पुलिस के बेड़े में वाहनों की संख्या बढ़ने पर। इसी

मकसद से सेक्टर-9 स्थित पुलिस मुख्यालय से मुख्य सचिव एच राजेश प्रसाद ने सोमवार को गार्डियन्स ऑफ द रोड थीम के तहत 55 नए वाहन पुलिस को समर्पित किए। अभी तक चंडीगढ़ पुलिस का क्विक रिस्पॉन्स टाइम पांच मिनट है, लेकिन इसे अब और कम करने की कोशिश की जा रही है। स्पेशल टीमों की तैनाती आपराधिक वारदातों की आशंका वाले एरिया में रहती है। व्यस्त मार्केट, रिहायशी क्षेत्र, स्कूल और कॉलेजों के पास ये टीमें सुबह से लेकर शाम तक तैनात रहती हैं। घटना या वारदात होने पर मदद के लिए दूसरी टीमें भी तुरंत पहुंचती हैं।

ये वाहन बेड़े में हुए शामिल

25 टीवीएस अपाचे मोटरसाइकिलें
5 रॉयल एनफील्ड बुलेट मोटरसाइकिलें
20 होंडा एक्टिवा स्कूटर, 2 जेल वैन
2 रिकवरी वैन (अंडर-लिफ्ट)
1 प्लेटफॉर्म रिकवरी वाहन

टैबलेट नहीं लौटाया तो रुकेगा 12वीं का रिजल्ट, हरियाणा शिक्षा विभाग ने 500 छात्रों को दी कड़ी चेतावनी

चंडीगढ़। हरियाणा के सरकारी स्कूलों में ई-अधिगम योजना के तहत मिले टैबलेट वापस नहीं लौटा रहे बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों का रिजल्ट रोकने की तैयारी है। बोर्ड परीक्षाएं समाप्त होने के बावजूद प्रदेश भर में 500 से अधिक विद्यार्थियों ने अभी तक टैबलेट स्कूल में जमा नहीं कराए हैं। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने चेतावनी दी है कि ऐसे विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम रोका जा सकता है। वहीं, गैस सिलिंडर की कमी को देखते हुए मौलिक शिक्षा निदेशालय ने निर्देश जारी किए हैं कि गैस सिलिंडर नहीं मिल पाने की स्थिति में लकड़ियों का इस्तेमाल कर चूल्हे पर

मिड-डे मील तैयार कराया जाए।प्रदेश सरकार ने सरकारी स्कूलों में दसवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों को टैबलेट दिए हुए हैं, ताकि उन्हें बेहतर तरीके से पढ़ाई कराई जा सके। बारहवीं के छात्रों के लिए बोर्ड परीक्षा समाप्त होने के तुरंत बाद इन्हें स्कूल में वापस जमा कराना अनिवार्य है।अभी तक टैबलेट नहीं लौटाने वाले छात्रों को चेतावनी दी गई है कि वे तुरंत इसे वापस करें। अन्यथा हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड को रिपोर्ट भेजकर उनका वार्षिक परीक्षा का परिणाम रुकवाया जा सकता है। उधर, मौलिक शिक्षा निदेशक ने सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे संबंधित गैस एजेंसियों से समन्वय कर यथाशीघ्र सिलिंडर की आपूर्ति सुनिश्चित करें। गैस उपलब्ध न होने की स्थिति में विद्यार्थियों के भोजन में किसी प्रकार की बाधा नहीं आनी चाहिए। अस्थायी रूप से लकड़ी का उपयोग कर भोजन तैयार किया जा सकता है।

पानीपत में 'आग' का संकट, 12 दिन से हड़ताल पर फायरकर्मी; होमगार्ड के भरोसे शहर की सुरक्षा

पानीपत। जिले में इन दिनों आगजनी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। खेतों से लेकर खाली प्लॉट और अन्य स्थानों तक, रोजाना तीन से चार जगह आग लगने के मामले सामने आ रहे हैं। रविवार को भी कृषि विज्ञान केंद्र के पीछे गेहूं के खेत में आग लगने से फसल जलकर राख हो गई, जबकि शहर और आसपास के क्षेत्रों में तीन से अधिक स्थानों पर अज्ञात कारणों से आगजनी की घटनाएं हुईं। इन घटनाओं के बीच अग्निशमन विभाग की कार्यप्रणाली पर भी असर साफ दिख रहा है। विभाग के 105 अस्थायी कर्मचारी पिछले 12 दिनों से हड़ताल पर हैं, जिसके चलते आग बुझाने का जिम्मा काफी हद तक होमगार्ड के भरोसे चल रहा है। हालांकि होमगार्ड के जवान पूरी तरह प्रशिक्षित न होने के कारण आग पर काबू पाने में अपेक्षित दक्षता नहीं दिखा पा रहे हैं। रविवार को कृषि विज्ञान केंद्र के पीछे गेहूं के खेत में लगी आग को बुझाने में दमकल विभाग को करीब एक घंटा लगा। इस दौरान फसल को भारी नुकसान हुआ। वहीं, अन्य स्थानों पर लगी आग की सूचनाएं मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर भेजी गईं, लेकिन सीमित स्टाफ के चलते हर घटना से निपटना चुनौती बना हुआ है।हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन के जिलाध्यक्ष रणवीर नांदल के अनुसार, कर्मचारियों को रिस्क एलाउंस न मिलने और सुरक्षा की कमी के कारण यह हड़ताल जारी है। उन्होंने फरीदाबाद की घटना का जिक्र करते हुए बताया कि आग बुझाते समय दो फायरमैन की मृत्यु हो गई थी, लेकिन उनके परिवारों को अब तक मुआवजा नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि आग बुझाने के दौरान कर्मचारियों की जान जोखिम में रहती है, लेकिन हादसे की स्थिति में सरकार की ओर से पर्याप्त सहायता नहीं मिलती।उधर, जिला अग्निशमन अधिकारी गुरमेल सिंह का कहना है कि आग की सूचना मिलते ही तुरंत दमकल गाड़ियां भेजी जा रही हैं और स्टाफ की कमी को पूरा करने के लिए होमगार्ड की मदद ली जा रही है। बावजूद इसके, लगातार बढ़ती आगजनी की घटनाएं और सीमित संसाधन विभाग के लिए बड़ी चुनौती बने हुए हैं।

कैथल: 1984 सिख कत्लेआम पीड़ित परिवारों ने जथेदार दादूवाल को सौंपा मांग पत्र, न्याय और स्थायी नौकरी की मांग

गुहला-चीका। नवंबर 1984 में दिल्ली सहित भारत के विभिन्न राज्यों में तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा सोची-समझी साजिश के तहत सिखों को निशाना बनाकर कत्लेआम किया गया, जिसका आज तक पीड़ित परिवारों को पूरा इंसाफ नहीं मिला है। पिछले समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में केंद्र सरकार द्वारा सिख कत्लेआम के पीड़ित परिवारों के जख्मों पर मरहम लगाने की कोशिश की गई है, जिसके तहत कांग्रेसी नेता सज्जन कुमार समेत कुछ दोषियों को सजा, पीड़ित परिवारों को मुआवजा और नौकरियां दी गई हैं, लेकिन अभी भी सिख कत्लेआम के पीड़ित परिवारों को पूर्ण न्याय नहीं मिल पाया है। जथेदार दादूवाल के मीडिया इंचार्ज जगमीत सिंह बराड़ ने बताया कि गांव होंद चिल्लड़, रेवाड़ी, गुरुग्राम, सिरसा समेत विभिन्न स्थानों से नवंबर 1984 के दौरान हुए सिख कत्लेआम के पीड़ित परिवार ह्यहोंद

चिल्लड़ सिख इंसाफ कमेटीह्न के संचालक दर्शन सिंह घोलिया की अगुवाई में एक प्रतिनिधिमंडल के रूप में गुरुद्वारा गुरु ग्रंथसर दादू साहिब, सिरसा पहुंचे। उन्होंने स्थान के मुख्य सेवेदार, पंथ प्रसिद्ध सिख प्रचारक और एंबेसडर फार पीस जथेदार बलजीत सिंह दादूवाल से मुलाकात कर उन्हें मांग पत्र सौंपा। जथेदार दादूवाल ने पीड़ित परिवारों के प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि वे जल्द ही हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात कर उनकी मांगों को पूरा करवाने का प्रयास करेंगे।भाई बराड़ ने बताया कि पहले हरियाणा सरकार द्वारा टीपी गर्ग आयोग की रिपोर्ट के अनुसार पीड़ित परिवारों को 22 करोड़ 60 लाख रुपये का मुआवजा दिया जा चुका है। वर्ष 2025 में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा 1984 सिख कत्लेआम के 121 पीड़ित परिवारों को सरकारी नौकरियां देने की घोषणा भी की गई थी। इसमें से 34 परिवारों के बच्चों को 24 नवंबर 2025 को पंचकूला में देश के गृह मंत्री अमित शाह द्वारा जथेदार दादूवाल की उपस्थिति में नियुक्ति पत्र दिए गए थे, लेकिन पीड़ित परिवारों ने बताया कि उन्हें योग्यता के अनुसार नौकरियां नहीं दी गईं, जिसके चलते 34 में से 31 परिवारों ने अपने नियुक्ति पत्र सरकार को वापस कर दिए। पीड़ित परिवारों ने मांग की कि उनके बच्चों को योग्यता के आधार पर स्थायी सरकारी नौकरियां दी जाएं।

खाने के तुरंत बाद भूलकर भी न करें ये गलतियां, सेहत पर पड़ सकता है हानिकारक असर!

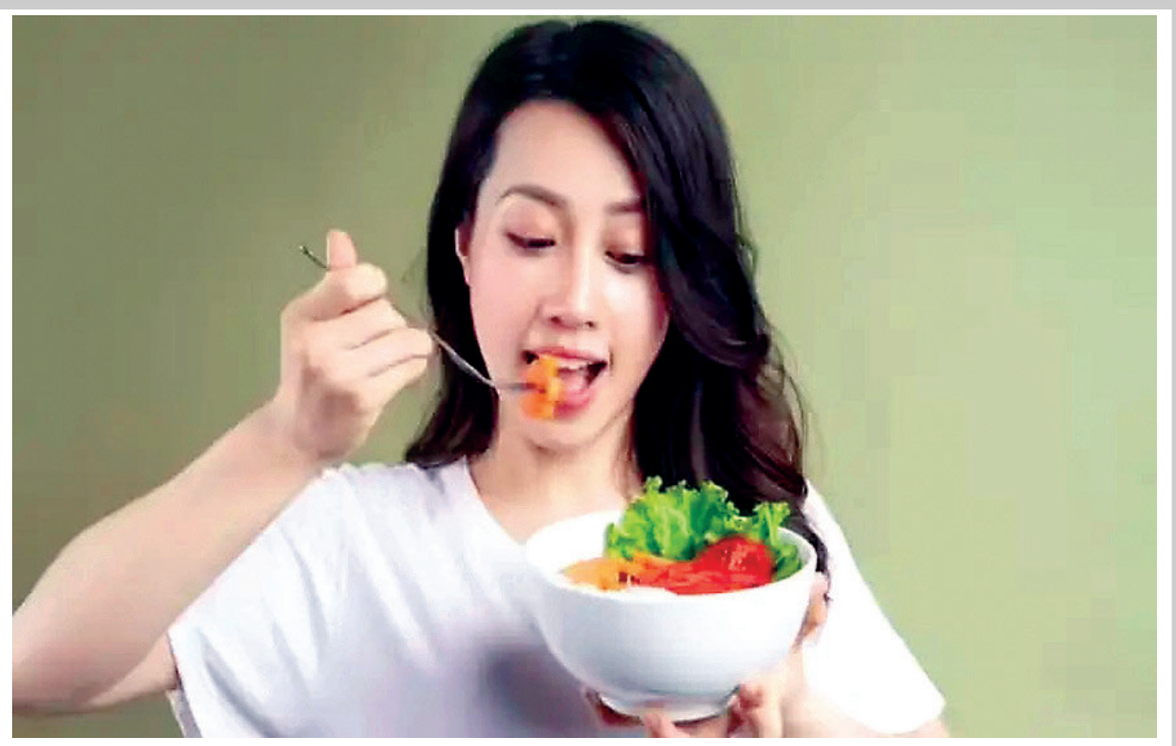

पैदल चलना शरीर के लिए लाभदायक है। इससे वजन घटाने और मधुमेह रोगियों को लाभ होता है, लेकिन कुछ लोगों के लिए खाने के बाद टहलना एक चुनौती हो सकती है। जी हां, डॉ. अनुज के अनुसार, खाने के बाद तीन छोटी सैर (प्रत्येक 10 मिनट) रक्त शर्करा को नियंत्रित करने में 30 मिनट की एक लंबी सैर से अधिक प्रभावी हो सकती है। यह बेहतर परिणाम देता है, खासकर अगर इसे खाने के तुरंत बाद किया जाए।

डायबेटोलोजिया पत्रिका में प्रकाशित 2016 के एक अध्ययन के अनुसार, भोजन के बाद 10 मिनट की सैर से टाइप-2 मधुमेह वाले लोगों में रक्त शर्करा नियंत्रण में सुधार होता है। भोजन के बाद टहलने से इंसुलिन संवेदनशीलता बढ़ती है और पाचन के दौरान ग्लूकोज का उपयोग बेहतर होता है, जिससे शर्करा के स्तर में तेजी से होने वाली वृद्धि कम होती है।

खाने के बाद टहलने के फायदे

1. ब्लड शुगर नियंत्रित करें – खाने के बाद शरीर को अधिक इंसुलिन की जरूरत होती है। पैदल चलने से शरीर की कोशिकाओं को अधिक ऑक्सीजन और ऊर्जा मिलती है, जिससे रक्त शर्करा का शीघ्र उपयोग होता है और स्तर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

2. हृदय स्वास्थ्य– नियमित रूप से हल्का व्यायाम जैसे टहलना हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है और शरीर में रक्त परिसंचरण में सुधार करता है।

3. वजन प्रबंधन– मधुमेह रोगियों के लिए वजन कम रखना बहुत महत्वपूर्ण है। पैदल चलने से कैलोरी बर्न होती है और वजन नियंत्रण में मदद मिलती है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

झारखंड के जन स्वास्थ्य अभियान में कार्यरत डॉक्टर अनुज कुमार कहते हैं कि खाने के बाद टहलना एक अच्छा व्यायाम है, लेकिन कुछ लोगों को खाने के बाद टहलने से बचना चाहिए। विशेषकर किसी भी पेट की सर्जरी के बाद।

खाने के बाद किसे टहलना नहीं चाहिए?

गैस्ट्रोपेरेसिस से पीड़ित लोगों में – इससे मतली या सूजन हो सकती है।

गंभीर हृदय रोग से पीड़ित लोगों में – खाने के बाद, रक्त प्रवाह पाचन पर केंद्रित होता है और परिश्रम के कारण हृदय पर दबाव पड़ सकता है।

हाइपोग्लाइसीमिया के रोगी – इंसुलिन या कुछ दवाओं का उपयोग करने वाले लोगों को चलते समय निम्न रक्त शर्करा का अनुभव हो सकता है।

आईबीएस) से पीड़ित लोग – यह एक गंभीर पाचन समस्या है। खाने के बाद टहलने से इसके लक्षण बढ़ सकते हैं।

कुछ लोगों को खाने के बाद चलने से चक्कर आना, सीने में दर्द या अत्यधिक थकान महसूस होती है, इसलिए उन्हें आराम करना चाहिए।

गर्मी में आग की भट्टी बन जाती है किचन, अपनी रसोई को ठंडा रखने के लिए करें ये 5 काम

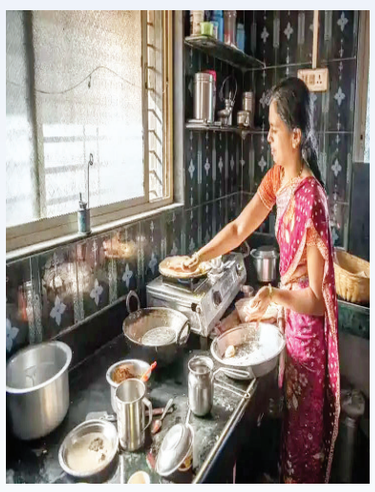

कभी-कभी गर्मियों में कूलर या एसी के बिना रहना असंभव लगता है। यह मौसम उन लोगों के लिए विशेष रूप से थकाने वाला होता है जो दिन-रात रसोई में खाना पकाने में बिताते हैं। अधिकतर महिलाओं को लंबे समय तक रसोई में काम करना पड़ता है। उबलते बर्तनों, गर्म ओवन और खराब वेंटिलेशन के कारण रसोईघर अक्सर भट्टी में बदल जाता है, जिससे खाना बनाना मुश्किल हो जाता है। इस तरह आप कुछ आसान टिप्स अपनाकर किचन को ठंडा और आरामदायक बना सकते हैं, जिससे किचन में गर्मी काफी हद तक कम हो सकती है और आप आराम से खाना बना सकते हैं।

पर्दे और हरियाली का उपयोग करें

यदि आपके रसोईघर में बड़ी खिड़कियां हैं, तो उन्हें दिन के समय बंद रखें, प्रकाश और गर्मी को रोकने के लिए हल्के रंग के सूती पर्दे का उपयोग करें। आप अलमारियों पर इनडोर कूलिंग प्लांट भी लगा सकते हैं। हरियाली आसपास के वातावरण को अधिक ठंडा और आरामदायक बना सकती है। इसके अलावा आप रसोईघर के बाहर भी कुछ पौधे लगा सकते हैं। रसोईघर से गर्मी बाहर निकालने के लिए समय-समय पर खिड़की भी खोलें।

चिमनी और एग्जॉस्ट पंखों का उपयोग करें

यदि आपके रसोईघर में चिमनी या एग्जॉस्ट फैन है तो गर्मियों में उनका प्रयोग करें। वे धुआं, भाप और नमी को कम करने में मदद करते हैं तथा शरीर को अधिक आरामदायक और सूखा रखते हैं। इससे आपका रसोईघर लंबे समय तक ठंडा रहेगा।

सुबह खाना पकाएँ

गर्मियों के मौसम में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच गर्मी बहुत अधिक होती है। इसलिए, गर्मी से बचने के लिए सुबह जल्दी खाना पकाने की कोशिश करें। कई लोग दोपहर का भोजन सुबह 11 बजे से 1 बजे के बीच बनाना शुरू कर देते हैं, जब सूरज चमक रहा होता है। नाश्ता तैयार करने के बाद, अपना दोपहर का भोजन जल्दी से पकाने की कोशिश करें, खासकर उन चीजों को जिन्हें तैयार करने में लंबा समय लगता है।

अगर घर में नहीं आ रही है पॉजिटिव वाइब्स? तो आज ही ट्राई करें सही कलर, फर्नीचर और डेकोरेशन टिप्स

हर व्यक्ति एक ऐसा घर खरीदने का सपना देखता है जहां उसे शांति, सुखद और सकारात्मक ऊर्जा महसूस हो। इसलिए लोग घर की साज-सज्जा और वास्तु पर तो विशेष ध्यान देते हैं, लेकिन जब बात सजावट और फर्नीचर की आती है तो लोग सस्ते सामानों की ओर भागते हैं। वहीं, अगर आप अपने घर को थोड़ी समझदारी और रचनात्मकता के साथ सजाते हैं, तो घर न सिर्फ खूबसूरत दिखता है, बल्कि उसमें रहने वाले लोग भी खुश रहते हैं। आज इस लेख में हम सराफ फर्नीचर के सीईओ रघुनंदन सराफ से जानेंगे कि कैसे आप कुछ खास टिप्स और आइडियाज से अपने लिविंग रूम को ज्यादा सकारात्मक, आकर्षक और आरामदायक बना सकते हैं।

सही रंगों का उपयोग

पूरा दिन बाहर बिताने के बाद घर आने पर हर कोई शांति और आराम पाना चाहता है। इसलिए, आपको अपने कमरे की दीवारों पर बेज, हल्का भूरा और टेराकोटा जैसे रंगों पर विचार करना चाहिए। ये रंग आंखों को सुखा देते हैं। इसके अलावा, आपको अपने घर में लकड़ी का फर्नीचर भी रखना चाहिए, जिसमें डाइनिंग टेबल, कॉफी टेबल और बुकशेल्फ़ शामिल हैं। ऐसा करने से आप अपने घर में प्रवेश करते ही सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव करेंगे।

लाल और सुनहरे रंग में सजावट

रघुनंदन सराफ कहते हैं कि अगर आप अपने घर में सकारात्मक ऊर्जा और चमक लाना चाहते हैं तो आपको लाल और सुनहरे रंग का इस्तेमाल करना चाहिए। लाल रंग जोश और जुनून का प्रतीक है तथा सुनहरा रंग धन, समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक है। आपको घर के लिविंग रूम में लाल कुशन, सुनहरे बॉर्डर वाले दर्पण, लाल कुर्सियां ??और सुनहरे डिजाइन वाले लैंप और फूलदान रखने चाहिए।

हरे पौधे लगाएँ

घर को ताज़ा रखने के लिए आपको इनडोर पौधे लगाने चाहिए। मनी प्लांट और बांस जैसे पौधे सौभाग्य और समृद्धि के प्रतीक माने जाते हैं। ये न केवल दिखने में सुंदर हैं, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा भी लाते हैं।

बहुउपयोगी फर्नीचर

सराफ का कहना है कि यदि आपका घर छोटा है और आपके पास फर्नीचर के लिए कम जगह है, तो आप सोफा-कम-बेड, स्टोरेज के साथ बेंच, एक्सटेंडेबल डाइनिंग टेबल और मल्टीफंक्शनल ओटोमन जैसे फर्नीचर खरीद सकते हैं और जगह भी बचा सकते हैं।

कांच या दर्पण वाला फर्नीचर

यदि आप अपने घर को बड़ा दिखाना चाहते हैं, तो आप कांच या कांच का फर्नीचर खरीद सकते हैं। आप कांच के टॉप वाली साइड टेबल या दर्पण वाली डाइनिंग टेबल खरीदकर जगह को बड़ा दिखा सकते हैं। हालाँकि, वास्तु के अनुसार आपको पूर्व या उत्तर दिशा में दर्पण या खिड़की लगानी चाहिए।

फेंग शुई से संबंधित आसान फर्नीचर सेटिंग टिप्स

अगर आप घर का माहौल शांत और खुशहाल रखना चाहते हैं तो आपको कुछ फेंगशुई टिप्स अपनाने चाहिए। आपको लिविंग रूम का सोफा दरवाजे की ओर रखना चाहिए, ताकि आने-जाने वाले लोगों पर नजर रखी जा सके। घर के फर्नीचर के कोने नुकीले नहीं होने चाहिए और घर में सामान ज्यादा बिखरा हुआ नहीं होना चाहिए। घर में सोफा और कुर्सियां हमेशा गोलाकार में रखनी चाहिए। ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

कपड़े धोने के बाद नहीं होगा प्रेस करने का झंझट, बस अपनाएं ये स्मार्ट हैक्स

कपड़े प्रेस करना हम सभी के लिए निश्चित रूप से उबाऊ होता है। विशेषकर, कोई भी व्यक्ति गर्मी की दोपहर में गर्म लोहे के सामने खड़ा नहीं होना चाहता। ऊपर से गर्मी, उमस और दिनभर भागदौड़ के कारण हम अपने कपड़ों को प्रेस करने में अपना समय और मेहनत दोनों बर्बाद करते हैं। हो सकता है कि आप भी गर्मियों में कपड़ों को प्रेस नहीं करना चाहते हों, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। जी हां, कुछ सरल उपाय हैं जिनका पालन करके आप अपने कपड़ों को बिना प्रेस किए भी ताजा और सिलवट रहित रख सकते हैं।

कपड़ों को बिना प्रेस किए भी सिलवटों से मुक्त रखना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं है। सही कपड़े के चयन से लेकर कपड़े धोने के कुछ टिप्स तक, कई सरल टिप्स हैं जो आपका समय, प्रयास और पसीना बचा सकते हैं। इसलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ सरल हैक्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप बिना इस्त्री किए भी कपड़ों को रिंकल फ्री रख सकते हैं-

कपड़ों का चयन बुद्धिमानी से करें

जब आप गर्मियों के मौसम में कपड़े खरीद रहे हों तो आपको केवल उसके हल्के वजन पर ही ध्यान नहीं देना चाहिए। यकीनन, इस मौसम के लिए कपास एक अच्छा कपड़ा माना जाता है, लेकिन इसे काफी प्रेस करना पड़ता है। इसलिए, आपको ऐसे कपड़े का चयन करना चाहिए जिसे इस्त्री करने की आवश्यकता न हो। उदाहरण के लिए, आप लिनेन मिश्रण से लेकर रेयान, निट और स्ट्रेच फैब्रिक तक का चुनाव कर सकते हैं। यदि आपको कपड़े के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, तो कपड़े खरीदते समय टैग पर रिंकल फ्री या नो आयरन की जांच कर लें।

कपड़ों को समझदारी से धोएं

आप अपने कपड़े कैसे धोते हैं, इससे भी बहुत फर्क पड़ता है। उदाहरण के लिए, मशीन में एक साथ बहुत सारे कपड़े न डालें जिससे उन्हें इधर-उधर घूमने के लिए जगह न मिले। इसके अलावा, कपड़े धोने के चक्र में फैब्रिक सॉफ़नर या आधा कप सफेद सिरका मिलाएं, जिससे झुर्रियां कम हो जाएंगी। इसके अलावा, धोने के बाद हर कपड़े को अच्छी तरह हिलाएं और फैलाएं। शर्ट को हैंगर पर लटकाएं और उन्हें सही आकार में सुखाएं। इसके अलावा, झुर्रीदार कपड़ों के साथ ड्रायर में 2-3 बर्फ के टुकड़े डालें और 10 मिनट तक चलाएं। भाप से सिलवटें अपने आप हट जाएंगी।

घर पर बनाएं झुर्रियों से राहत देने वाला स्प्रे

आप कपड़ों पर प्रेस किए बिना ही झुर्रियां हटाने के लिए घर पर ही रिंकल रिलीफ स्प्रे तैयार कर सकते हैं। इसके लिए एक कप डिस्टिल्ड वाटर, एक चम्मच फैब्रिक सॉफ्टनर और एक चम्मच रबिंग अल्कोहल मिलाएं। आवश्यकतानुसार कपड़ों पर हल्का स्प्रे करें, फिर हाथ से सीधा करें। इसे 10 मिनट तक लटका कर सुखाएं।

स्टीमर के बिना भाप बनाने की तरकीब

यदि आपके पास स्टीमर नहीं है तो भी आप कपड़ों को सिलवट रहित बना सकते हैं। इसके लिए गर्म पानी से नहाते समय कपड़ों को बाथरूम में लटका दें। दरवाज़ा बंद कर दें और भाप को 10-15 मिनट तक अपना काम करने दें। इसके बाद अपने हाथों की मदद से कपड़ों को सीधा करें। सिलवटें आसानी से हटा दी जाएंगी।

‘आप पर्दे पर मुख्यमंत्री बन सकते हैं, असल में नहीं’

प्रकाश राज ने ‘जन नायकन’ को-एक्टर थलापति विजय पर कसा तंज

अभिनेता प्रकाश राज अपने बेबाक बयानों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। वो अक्सर ही केंद्र सरकार पर निशाना भी साधते रहते हैं। अब प्रकाश राज ने ‘जन नायकन’ के अपने को-एक्टर थलापति विजय के राजनीति में प्रवेश करने पर कटाक्ष किया है। विजय अपनी राजनीतिक पार्टी तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के साथ आगामी तमिलनाडु चुनावों के प्रचार में व्यस्त हैं। ऐसे में प्रकाश राज ने राजनीति के सिनेमा मॉडल पर निशाना साधा है।

प्रकाश राज ने राजनीति में फिल्मी सितारों के आने पर कसा तंज

पलानी में सीपीआई (एम) उम्मीदवार एन पांडी के लिए आयोजित एक प्रचार कार्यक्रम में बोलते हुए प्रकाश राज ने राज्य में प्रचलित तीन राजनीतिक दृष्टिकोणों का उल्लेख किया - द्रविड़ मॉडल, दास मॉडल और सिनेमा मॉडल। सभा को संबोधित करते हुए प्रकाश राज ने फिल्म सितारों के राजनीति में आने की बढ़ती प्रवृत्ति पर सवाल उठाया, जो स्पष्ट रूप से विजय की ओर इशारा था।

’कमर्शियल एक्टर्स’ पर ऋचा चड्ढा ने उठाए सवाल

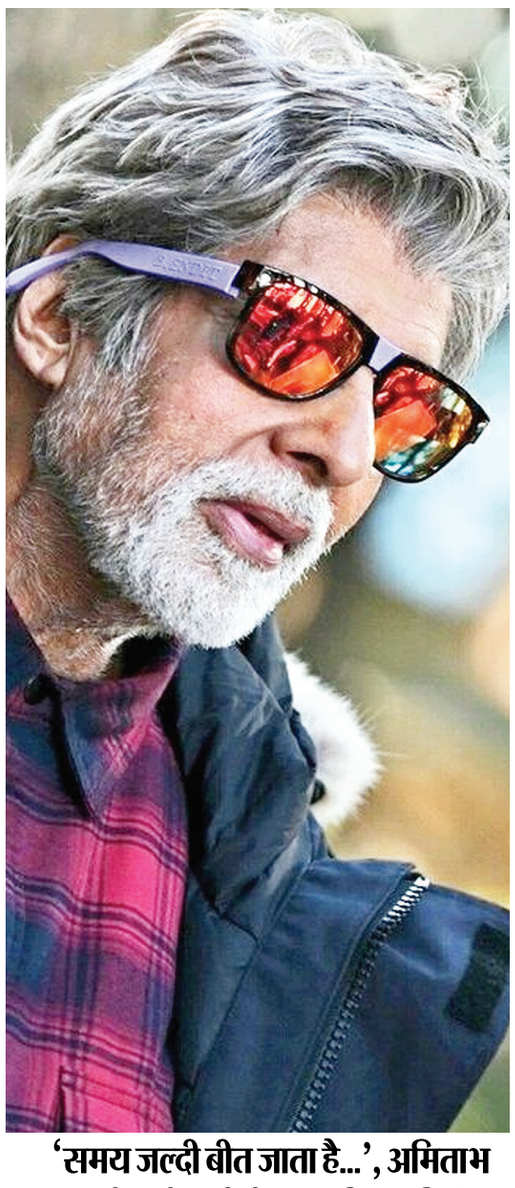

एक्ट्रेस-प्रोड्यूसर ऋचा चड्ढा अक्सर खुलकर कई मुद्दों पर बात करती और अपनी राय रखती नजर आती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने सवाल उठाया है कि इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स लगातार ‘कमर्शियल’ एक्टर्स को क्यों कास्ट करते हैं? उनका कहना है कि ऐसे एक्टर्स उन कहानियों के लिए न तो बॉक्स-ऑफिस तक दर्शकों को ला पाते हैं और न ही इंडी फिल्म को फेस्टिवल में कोई साख दिला पाते हैं। ऋचा ने एक बयान में कहा, ‘अगर कोई एक्टर शुक्रवार को आपकी फिल्म को थिएटर में ओपनिंग नहीं दिला पाता और न ही फेस्टिवल्स में कोई खास वजन जोड़ पाता है, तो फिर एक इंडिपेंडेंट फिल्म में उसे कास्ट करने का आखिर फायदा क्या है?’

एक्ट्रेस ने कहा कि वह किसी पर कोई आरोप नहीं लगा रही हैं, लेकिन ‘कम से कम ट्रेंड एक्टर्स के साथ आपको यह भरोसा रहता है कि उनकी परफॉर्मेंस की क्वालिटी बनी रहेगी। इंडी फिल्मों के पीछे भी कमर्शियल सोच होती है, कुछ कहानियों को भीड़ खींचने के लिए हमेशा इतने बड़े चेहरों की जरूरत नहीं होती। ऐसे एक्टर को हायर करना ज्यादा किफायती होता है जो कम बजट में भी फिल्म को साख दिला सके। ‘ उन्होंने आगे कहा, ‘किसी भी एक्टर की काबिलियत या अहमियत को कम न करते हुए, मेरा मकसद यह है कि अगर इंडी फिल्मों को 2026 में सचमुच टिके रहना है, तो हमें यह समझना और सीखना होगा कि दर्शक अच्छी कहानियां देखना चाहते हैं, ऐसे काबिल एक्टर्स के साथ जो बजट पर भारी न पड़ें, क्योंकि उनके साथ आने वाले लोगों का खर्च भी तो उठाना पड़ता है। ऋचा ने इस बात पर जोर दिया कि इंडिपेंडेंट सिनेमा की बुनियाद हमेशा से ही रिस्क लेने, असलियत और मजबूत कहानी कहने पर टिकी रही है।

‘समय जल्दी बीत जाता है...’, अमिताभ बच्चन ने क्यों कही ये बात? पिता हरिवंश राय बच्चन की कविताओं का किया जिक्र

सदी के महानायक कहे जाने वाले अमिताभ बच्चन 83 साल की उम्र में भी फिल्मों के साथ-साथ सोशल मीडिया और ब्लॉग पर भी लगातार सक्रिय हैं। वो अक्सर अपने ब्लॉग्स के जरिए भी लोगों को प्रेरित करते रहते हैं और प्रेरणादायक बातें साझा करते रहते हैं। हाल ही में उन्होंने अपने ब्लॉग पोस्ट में सक्रिय और प्रेरित रहने के महत्व पर विचार व्यक्त किया। इसके लिए उन्होंने अपने पिता व रचनाकार हरिवंश राय बच्चन की पंक्तियों का भी जिक्र किया।

शरीर को गतिशील रखें

अपने पिता हरिवंश राय बच्चन की रचनाओं से प्रेरणा लेते हुए अमिताभ ने समय की अस्थिरता और शारीरिक एवं मानसिक रूप से सक्रिय रहने के महत्व के बारे में बात की। अपने ब्लॉग में उन्होंने लिखा, ‘बाबूजी की रचनाओं से कुछ विचार और दिन बीतते जा रहे हैं। अभी कुछ दिन पहले ही बीता था और अगला महीना शुरू होने वाला है। यह हमें याद दिलाता है कि समय कितनी जल्दी बीत जाता है। गतिशीलता ही कुंजी है। शरीर को गतिशील रखें, मन को गतिशील रखें और गतिशीलता की शक्ति अचानक स्पष्ट हो जाएगी, न कि बिना किसी कारण के बैठे रहने से।’

धैर्य और ज्ञान का बताया महत्व

बिग बी ने धैर्य और ज्ञान के महत्व पर भी बात की। उन्होंने लिखा, ‘धैर्य उस पहेली की तरह है, जिसका हल हर पल चाहिए। एक पल भी धैर्य की परीक्षा है। लेकिन इसका फल मिलता है और बहुत अच्छा मिलता है। आर्थिक दृष्टि से नहीं, बल्कि दार्शनिक दृष्टि से।’ उन्होंने ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, ‘किसी भी विषय का अध्ययन युद्ध के संदर्भ में धनुष से कई तीर निकालने जैसा है।

कहा- अभी-अभी बच्चे को जन्म दिया है

मां बनने के बाद बढ़ते वजन पर ट्रोल करने वालों को भड़कीं पत्रलेखा

सोशल मीडिया की दुनिया जितनी तेज और चमकदार दिखती है, उतनी ही तनावपूर्ण भी होती है। खासकर फिल्मी सितारों के लिए यह दबाव और भी बढ़ जाता है, जहां हर बदलाव के साथ यूजर्स के कमेंट्स से गुजरना पड़ता है। इस कड़ी में अभिनेत्री पत्रलेखा को भी ऑनलाइन आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। मां बनने के बाद उनके बढ़ते वजन को लेकर लोग लगातार कमेंट्स कर रहे हैं। इस पर पत्रलेखा ने ट्रोलर्स को करार जवाब दिया। पत्रलेखा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने हाल ही में एक बच्चे को जन्म दिया है और यह उनके शरीर में आए बदलाव का सबसे बड़ा कारण है। पत्रलेखा ने उन लोगों को निशाने पर लिया, जो लगातार उनके बढ़ते हुए वजन पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, ’’मुझे क्या हुआ है, इसका जवाब यही है कि मैंने अभी-अभी एक बच्चे को जन्म दिया है। यह बदलाव पूरी तरह से प्राकृतिक प्रक्रिया का हिस्सा है। लोगों को ऐसा लगता है जैसे मैंने जरूरत से ज्यादा खा लिया हो, जबकि सच्चाई यह है कि मैंने इस दौरान एक नई जिंदगी को जन्म दिया है।’’ पत्रलेखा ने कहा, ’’प्रेग्नेंसी के दौरान और उसके बाद शरीर में बदलाव आना पूरी तरह सामान्य बात है, लेकिन सोशल मीडिया पर लोग बिना समझे तुरंत कमेंट कर देते हैं। मैंने पहाड़ नहीं खाया है, बल्कि एक बच्चे को जन्म दिया है। मैं अपनी मातृत्व की जिम्मेदारी निभा रही हूं और साथ ही दो फिल्मों के निर्माण का काम भी संभाल रही हूं, जो बिल्कुल भी आसान नहीं है।’’

> *पत्रलेखा ने उन लोगों को निशाने पर लिया, जो लगातार उनके बढ़ते हुए वजन पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, ‘’मुझे क्या हुआ है, इसका जवाब यही है कि मैंने अभी-अभी एक बच्चे को जन्म दिया है। यह बदलाव पूरी तरह से प्राकृतिक प्रक्रिया का हिस्सा है।*

अपने पोस्ट के आखिर में पत्रलेखा ने लोगों से भावनात्मक अपील की और कहा, ’’अगर मेरे हाथ में होता तो मेरा शरीर ऐसा न होता, लेकिन यह पूरी तरह शरीर की स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। मेरी लोगों से आग्रह किया कि किसी भी महिला के शरीर पर कमेंट करने से पहले उसके हालात और संघर्ष को समझने की कोशिश करें। हर किसी को थोड़ा तो दयालु बनना चाहिए। पत्रलेखा और अभिनेता राजकुमार राव ने पिछले साल 15 नवंबर को अपने पहले बच्चे का स्वागत किया था। कपल ने अपनी बेटी का नाम पार्वती पॉल राव रखा।

इंफ्लुएंसर तान्या चटर्जी ने किया दावा

भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल इन दिनों मैदान से ज्यादा सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। इंफ्लुएंसर तान्या चटर्जी ने दावा किया था कि चहल ने उन्हें इंस्टाग्राम पर मैसेज किया था। इस छोटे से मैसेज ने देखते ही देखते बड़ा विवाद खड़ा कर दिया और इंटरनेट पर बहस छिड़ गई। इंफ्लुएंसर ने बातचीत में इस विषय पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, ‘वह बस एक सामान्य मैसेज था। इसमें कोई बुराई या फिर विवाद छेड़ने जैसा कुछ भी नहीं था। मेरे मन में उनके लिए बहुत इज्जत है। मैं उनका बहुत सम्मान करती हूं। वे एक भारतीय खिलाड़ी हैं और देश के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। उन्होंने मुझे सिर्फ ‘क्यूट’ कहा था और आईपीएल के बारे में बातचीत चल रही थी।’ तान्या ने आगे बताया कि पूरी बातचीत के दौरान चहल से जुड़ा टॉपिक सामने आया और उन्होंने इसे ऐसे ही बता दिया।

उन्होंने कहा, ‘मेरा इरादा चहल को बदनाम करने का बिल्कुल भी नहीं था। मैं तो अपने दोस्तों के साथ भी इसी तरह रहती हूं। मुझमें वह मासूमियत अभी भी है। मेरे अंदर का बच्चा अभी भी जिंदा और हमेशा बरकरार रहेगा। उन्होंने मेरी तारीफ की थी, मुझे अच्छा लगा, बात खत्म। ‘ अभिनेत्री ने आगे कहा, ‘मैं समझ नहीं पा रही हूं कि मानहानि का केस कैसे हो सकता है। मैंने तो उन्हें बदनाम नहीं किया, बल्कि, उनकी तारीफ ही की थी।

‘ उन्होंने कहा, ‘चहल एक भारतीय क्रिकेटर हैं और आईपीएल में खेल रहे हैं। मैं उनकी निजी जिंदगी में दखल नहीं दे रही हूं और न ही किसी और चीज में। यह बस एक तारीफ थी, जिसे मैंने अपनी मासूमियत से सभी के सामने शेयर किया। ‘ तान्या ने अपनी बात को साफ करते हुए कहा कि यह घटना 2023 की है। अगर उन्हें कुछ ऐसा करना होता, तो वे पहले ही कर देती। यह 2023 में हुआ था। सबको पता था कि उस समय वह शादीशुदा थे। उन्होंने मुझे मैसेज किया था, जिसके बारे में मुझे पता नहीं था। मुझे यह देर से पता चला। लेकिन अगर मैं उस समय किसी पीआर या ऐसी ही किसी टीम के साथ जुड़ी होती, तो शायद मुझे पता चल जाता।

मेरा कोई पीआर नहीं है। इंफ्लुएंसर ने कहा कि मेरे वकील इस मामले को देख रहे हैं और उन्होंने मुझे ज्यादा कुछ कहने से मना किया है, लेकिन मुझे अब भी लगता है कि उन्होंने ही मुझे मैसेज किया था। वह एक प्यारा सा मैसेज था और एक बार नहीं, दो बार किया था।

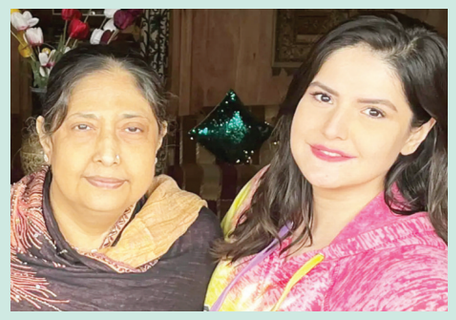

मां के लिए जरीन खान का छलका दर्द, नोट शेयर कर लिखा, ‘आपके बिना सब खाली है’

अभिनेत्री जरीन खान पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। कुछ दिन पहले उनकी मां परवीन खान ने दुनिया को अलविदा कह दिया था। शुक्रवार को अभिनेत्री ने अपनी मां के लिए खास पोस्ट किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी मां के साथ पुरानी यादों का मोंटाज वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में जरीन और उनकी मां साथ में हंसती-खेलती नजर आ रही हैं। जरीन ने पोस्ट में लिखा, ‘निश्चय ही हम ऊपरवाले के हैं और एक दिन हमें वहीं जाना है। मां, आपको गए हुए अभी बस 10 दिन हुए हैं। मैं दुनिया के लिए कोई बड़ा कैप्शन नहीं लिखूंगी, क्योंकि आप पहले से ही जानती हैं कि मैं अभी क्या महसूस कर रही हूं। उन्होंने आगे लिखा, ‘मेरे दिल में एक दर्द और खालीपन है, जिसे कोई भी भर नहीं सकता। आप हमेशा सही रहें और ऊपर अच्छे से रहें, जब तक हम फिर से नहीं मिलते हैं। ‘ अभिनेत्री जरीन खान की मां लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही थीं। अक्टूबर 2025 में भी उनकी तबीयत खराब हुई थी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अभिनेत्री ने मां के स्वास्थ्य को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट भी किया था और लगातार अपडेट दे रही थीं। इसके साथ ही, फैंस से उनकी जल्दी ठीक होने और अच्छे स्वास्थ्य के लिए दुआ करने की अपील कर रही थीं। जरीन खान अपनी मां के बहुत करीब थीं और अक्सर सोशल मीडिया पर उनके साथ अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती थीं। जरीन खान ने 2010 में सलमान खान के साथ फिल्म ‘वीर’ से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। कटरीना कैफ से समानता के कारण चर्चा में आईं जरीन ने ‘हाउसफुल 2’, ‘हेट स्टोरी 3’ और ‘अक्सर 2’ जैसी फिल्मों में अभिनय किया। उन्हें मुख्य रूप से ग्लैमरस भूमिकाओं के लिए जाना जाता है।

अगले साल रिलीज होगी ‘लव एंड वॉर’

भंसाली की प्रेम कहानी में दिखेंगे रणबीर, आलिया और विक्की कौशल

बॉलीवुड में जब भी बड़े पैमाने की फिल्मों की बात होती है, तो संजय लीला भंसाली का नाम अपने आप सामने आ जाता है। अब एक बार फिर वह दर्शकों के लिए एक बड़ी और खास फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम है ‘लव एंड वॉर’... इस फिल्म को लेकर पहले से ही काफी चर्चा हो रही है। इसकी रिलीज डेट सामने आने के बाद दर्शकों का उत्साह और बढ़ गया है। फिल्म की स्टार कास्ट काफी दमदार है। इसमें रणबीर कपूर, विक्की कौशल और आलिया भट्ट जैसे बड़े कलाकार नजर आएंगे। इस बीच मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। दरअसल, मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा कर इसकी रिलीज डेट की घोषणा की।

इस तस्वीर में संजय लीला भंसाली के साथ रणबीर, विक्की और आलिया नजर आ रहे है। मेकर्स ने बताया कि यह फिल्म अगले साल गणतंत्र दिवस से पहले आएगी। यह फिल्म 21 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ’लव एंड वॉर’ एक प्रेम कहानी है। साथ ही इसमें भावनाओं और संघर्ष से भरे सीन्स भी देखने को मिलेंगे। यह फिल्म खास इसलिए भी है क्योंकि इसमें भंसाली पहली बार विक्की कौशल के साथ काम कर रहे हैं।

वहीं, रणबीर कपूर के साथ उनकी ये दूसरी फिल्म है, इससे पहले वह फिल्म ‘सांवरिया’ में उनके साथ काम कर चुके हैं। इसके अलावा, आलिया भट्ट के साथ वह ‘गंगूबाई काठियावाड़ी’ के बाद फिर से काम कर रहे हैं। ’लव एंड वॉर’ की रिलीज डेट को लेकर चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि उसी समय कुछ और बड़ी फिल्मों के आने की संभावना है। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।